CMYK

Website:- www.Janmarg.com

TITLE CODE:- T/RJ/2024/211

e-mail :morningjanmarg@gmail.com

निष्पक्ष एवं निर्भीक दैनिक

जनमार्ग

लोकतंत्र व निष्पक्षता का मार्ग प्रातःकालीन समाचार पत्र

श्रीगंगानगर, शनिवार, 11.01.2025 ● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 2 रुपये ● वर्ष : 1 ● अंक : 261 ● मो. 93526-86083, 77421-86692, 0154-2970692

आईसीसी पर प्रतिबंध की तैयारी में अमेरिका

जनमार्ग न्यूज

वाशिंगटन। अमेरिकी संसद के निचले सदन हाउस ऑफ रेप्रेजेंटेटिव ने गुरवार को इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (आईसीसी) पर प्रतिबंध लगाने से जुड़ा बिल पास कर दिया है। अमेरिका ने ये कदम इजराइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और पूर्व रक्षा मंत्री योव गैलेंट के खिलाफ आईसीसी की तरफ से जारी किए गए अरेस्ट वारंट के बाद उठाया है। बिल पर वोटिंग के दौरान 243 सांसदों ने इसके पक्ष में वोट किया, वहीं 140 सांसदों ने इसके विरोध में वोट किया। समर्थन करने वालों में रिपब्लिकन पार्टी के 198 और डेमोक्रेटिक पार्टी के 45 सांसद थे। किसी भी रिपब्लिकन सांसद ने बिल का विरोध नहीं किया। नेतन्याहू और गैलेंट के खिलाफ गाजा में युद्ध अपराध, मानवाधिकार उल्लंघन और नरसंहार के लिए आईसीसी ने अरेस्ट वारंट जारी किया है। अमेरिका पहले भी आईसीसी पर प्रतिबंध लगा चुका है।

सरकार ने तबादलों की अवधि 15 तक बढ़ाई

» 15 जनवरी तक विभागों में कर सकेंगे » रोडवेज के 44 अधिकारियों के तबादले

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। राजस्थान सरकार ने तबादलों पर लगे प्रतिबंध से छूट की अवधि को 5 दिन के लिए बढ़ा दिया है। अब 15 जनवरी तक तबादले हो सकेंगे। सीएम भजनलाल शर्मा की मंजूरी के बाद शुक्रवार को अवधि को बढ़ाया गया है। बता दें कि सरकार ने 1 जनवरी से 10 जनवरी तक के लिए तबादलों से बैन हटाया था। शिक्षा विभाग को छोड़ सरकार ने सभी विभागों में तबादलों को हरी झंडी दी थी। आने वाले कुछ दिनों में बड़े स्तर पर तबादला सूचियां आएंगी। मंत्रियों ने सीएम से आग्रह किया था कि तबादलों पर जो प्रतिबंध हटा हुआ है। उसे तीन से पांच दिन और बढ़ाया जाए। जिसके बाद सरकार ने तबादलों पर से जो प्रतिबंध हटाया गया है, उसे 5 दिन के लिए बढ़ा दिया। उधर, तबादलों को लेकर सरकारी कर्मचारी अपनी-अपनी पहुंच के नेताओं को लेकर मंत्रियों, भाजपा प्रदेश कार्यालय में नेताओं के पास अर्जियां लगाते रहे। दस जनवरी को तबादले पर फिर से प्रतिबंध की संभावना के चलते गुरुवार को तो मंत्रियों के आवास पर तबादला चाहने वालों की भारी भीड़ थी। वहीं शुक्रवार को यह भीड़ कम नजर आई। मंत्रियों ने भी तबादला चाहने वालों से दूरी ही बनाए रखी। इस चक्कर में कर्मचारी भाजपा प्रदेश कार्यालय जा पहुंचे। कर्मचारी यहां संगठन पदाधिकारियों से तबादलों का आग्रह करते नजर आए। राजस्थान में बीजेपी सरकार बनने के बाद दूसरी बार तबादलों से बैन हटाया गया था। बीजेपी के विधायक और नेता लंबे समय से तबादलों से बैन हटाने की मांग कर रहे थे। मुख्यमंत्री के साथ विधायकों की फीडबैक बैठकों में भी तबादलों से जल्दी बैन हटाने की मांग प्रमुखता से उठाई गई थी। तबादलों में पिछली सरकारों की तरह इस बार भी सत्ताधारी बीजेपी पार्टी के नेताओं और विधायकों की डिजायर चलेगी। विधायकों के अलावा बीजेपी संगठन के पदाधिकारियों की भी डिजायर चलेगी। सरकारी विभागों में मोटे अनुमान के मुताबिक करीब 3 लाख से ज्यादा कर्मचारी इधर-उधर होंगे। मेडिकल, ऊर्जा, पुलिस, क्षेत्र में सबसे ज्यादा तबादले होने के आसार हैं। शिक्षा विभाग में तबादलों से बैन नहीं हटा है। शिक्षक तबादलों से बैन नहीं हटने के पीछे कई कारण बताए जा रहे हैं। शिक्षक तबादलों के लिए नई पॉलिसी का फाइनल नहीं होने को भी बैन नहीं हटने का कारण बताया जा रहा है। शिक्षक तबादलों में पहले कई विवाद हुए हैं, कई तरह के आरोप लगते रहे हैं, इसलिए विवाद टालने के लिए भी बैन बरकरार रखा गया है। बीच सत्र तबादले होने से बच्चों की पढ़ाई बाधित होने का भी खतरा था। ग्रेड थर्ड शिक्षकों के तबादलों पर लंबे समय से पाबंदी है। पिछली कांग्रेस सरकार के वक्त भी ग्रेड थर्ड शिक्षकों के तबादले नहीं हुए थे। शिक्षक संगठन तबादलों से बैन हटने की लंबे समय से मांग कर रहे हैं।

पूर्व विधायक भवानी सिंह राजावत की सजा पर रोक

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। पूर्व विधायक भवानी सिंह राजावत को हाई कोर्ट से अंतरिम राहत मिल गई है। हाई कोर्ट ने कोटा एससी/एसटी कोर्ट के उस आदेश पर रोक लगा दी हैं, जिसमें कोर्ट ने राजावत और बीजेपी कार्यकर्ता महावीर सुमन को वन विभाग के अफसर को थप्पड़ मारने का दोषी मानते हुए 3 साल की सजा सुनाई थी। अपील में राजावत के अधिवक्ता दीपक चौहान ने कहा कि मामले में अभियुक्तों को दोष सिद्ध करने के लिए पत्रावली पर कोई साक्ष्य उपलब्ध नहीं था। लेकिन फिर भी ट्रायल कोर्ट ने उन्हें दोषसिद्ध कर दिया, जो विधि सम्मत नहीं हैं। अपील के निस्तारण में समय लगेगा, ऐसे में उनकी सजा को सस्पेंड किया जाए।

प्रदेश में ग्राम पंचायतों का बदलेगा स्वरूप

- सीएम भजनलाल ने बनाई नई कैबिनेट कमेटी
- मदन दिलावर को सौंपी जिम्मेदारी

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। राजस्थान में वन नेशन वन इलेक्शन की चर्चाओं के बीच भजनलाल सरकार ने बड़ा निर्णय लेते हुए पंचायती राज संस्थाओं के पुनर्गठन के लिए मंत्रियों की एक और कमेटी बनाई है। राज्य सरकार ने पंचायती राज संस्थाओं के पुनर्गठन और पुनर्सीमांकन के लिए कैबिनेट स्तर की नई सब कमेटी की जिम्मेदारी शिक्षामंत्री मदन दिलावर को सौंपी है। बता दें, पंचायती राज संस्थाओं के पुनर्गठन के लिए गठित इस कमेटी की जिम्मेदारी शिक्षा मंत्री मदन दिलावर को सौंपी गई है। उनके साथ गजेंद्र सिंह खींवसर, अविनाश गहलोत, सुमित गोदारा और जवाहर सिंह बेढ़म को कमेटी के सदस्य के रूप में शामिल किया गया है। इस पहल का मुख्य उद्देश्य पंचायत स्तर पर बेहतर प्रशासनिक व्यवस्था करना और ग्रामीण विकास को अधिक प्रभावी बनाना है। पुनर्गठन के तहत ग्राम पंचायतों और पंचायत समितियों की सीमाओं का पुनर्निर्धारण किया जाएगा, जिससे विकास कार्यों में तेजी लाई जा सके और जनता का प्रशासन के साथ बेहतर जुड़ाव हो सके। बताते चलें कि राज्य सरकार पंचायती राज अधिनियम, 1994 के तहत पुनर्गठन के लिए प्रस्ताव तैयार करेगी। इन प्रस्तावों को जनता के अवलोकन और सुझावों के लिए रखा जाएगा। पुनर्गठन के बाद, ग्राम पंचायतें एक पंचायत समिति से दूसरी पंचायत समिति में स्थानांतरित हो सकती हैं। इस प्रक्रिया में जिला कलेक्टर को अधिकार प्रदान किए जाएंगे ताकि वह ग्राम पंचायतों और पंचायत समितियों के पुनर्गठन को लागू कर सकें। गौरतलब है कि कैबिनेट सब कमेटी जल्द ही अपनी बैठक आयोजित करेगी, जिसमें प्रस्तावों पर चर्चा और सुझाव लिए जाएंगे। पुनर्गठन और पुनर्सीमांकन के इस निर्णय से राजस्थान में ग्रामीण विकास मॉडल और मजबूत होने की उम्मीद है। राज्य सरकार के अनुसार, पुनर्गठन और पुनर्सीमांकन से ग्रामीण क्षेत्रों में योजनाओं का कार्यान्वयन अधिक सुचारु और प्रभावी होगा। इस पहल से ग्रामीण जनता को बेहतर प्रशासनिक सेवाएं मिलेंगी, और विकास कार्यों में तेजी आएगी।

ट्रेनी एसआई की फील्ड ट्रेनिंग रोकी

- पुलिस मुख्यालय ने जारी किए आदेश
- हाईकोर्ट ने लगाई थी पूरी तरह रोक

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। पुलिस मुख्यालय की ओर से शुक्रवार शाम को आदेश जारी कर ट्रेनी एसआई की फील्ड ट्रेनिंग को रुकवा दिया गया है। राजस्थान हाईकोर्ट की ओर से ट्रेनी एसआई की ट्रेनिंग-पोस्टिंग पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। हाईकोर्ट के निर्देशों की पालना कर तुरंत प्रभाव से फील्ड ट्रेनिंग रोक दी गई। डीजीपी उत्कल रंजन साहू की ओर से शुक्रवार शाम को आदेश जारी किए है। राजस्थान हाईकोर्ट की ओर से एसआई भर्ती परीक्षा-2021 के संदर्भ में याचिका विचाराधीन है। गुरुवार को हाईकोर्ट की ओर से निर्देश जारी कर पुलिस मुख्यालय को भर्ती में चयनित सभी एसआई/पीसी को वर्तमान में दिए जाने वाली ट्रेनिंग को तुरंत प्रभाव से बंद करने के दिशा-निर्देश दिए गए। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) उत्कल रंजन साहू ने इस बारे में महानिदेशक पुलिस, आसूचना, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस आर्मड बटालियन्स, पुलिस आयुक्त जयपुर एवं जोधपुर समस्त महानिरीक्षक पुलिस रेंज सहित सभी जिला पुलिस अधीक्षक तथा पुलिस उपायुक्त जयपुर एवं जोधपुर को दिशा-निर्देश जारी किए हैं। डीजीपी साहू की ओर से जारी आदेश में सभी एसआई/पीसी को अग्रिम आदेशों तक बिना किसी ड्यूटी/प्रशिक्षण के केवल जिला/बटालियन मुख्यालय में मौजूद रखने को कहा गया है।

बॉलीबॉल खिलाड़ियों के ट्रायल पर लगी रोक हटी

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। उत्तराखंड में वॉलीबॉल के 38वें राष्ट्रीय खेलों के लिए राजस्थान ओलम्पिक एसोसिएशन की ओर से आयोजित हो रहे खिलाड़ियों के ट्रायल पर लगी रोक को हाई कोर्ट ने हटा लिया हैं। इसके साथ ही कोर्ट ने साफ किया है कि पहले से चयनित याचिकाकर्ता खिलाड़ियों को फिर से ट्रायल देने की आवश्यकता नहीं है। ये पांचों खिलाड़ी प्री-पार्टिसिपेशन कोचिंग कैंप में शामिल रहेंगे। अदालत ने गुरवार को दुष्यंत सिंह व अन्य की ओर से दायर याचिका पर सुनवाई करते हुए ट्रायल पर रोक लगा दी थी। लेकिन आज सुनवाई के दौरान दोनों एसोसिएशन ने कोर्ट को आश्वस्त किया कि जो पांच याचिकाकर्ता अदालत में पहुंचे है, उन्हें फिर से ट्रायल देने की आवश्यकता नहीं है। याचिका में वरिष्ठ अधिवक्ता आरबी माथुर ने अदालत को बताया कि वॉलीबॉल के 38वें राष्ट्रीय खेल 28 जनवरी से उत्तराखंड में आयोजित हो रहे हैं। इसके लिए भारतीय ओलम्पिक संघ ने गत 20 दिसंबर को पत्र जारी कर अनिश व्यास की अध्यक्षता में बने राजस्थान ओलम्पिक एसोसिएशन को इस प्रतियोगिता के लिए खिलाड़ियों का चयन करने को कहा।

पूर्व केन्द्रीय मंत्री निहालचंद ने जल संसाधन मंत्री से की मुलाकात

- नहरी पानी व अन्य आवश्यकताओं को लेकर हुई विस्तृत चर्चा

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। पूर्व केन्द्रीय मंत्री निहालचंद के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल ने शुक्रवार को राजस्थान सरकार के जल संसाधन मंत्री सुरेश सिंह रावत से मुलाकात की। प्रतिनिधि मंडल ने इंदिरा गांधी नहर परियोजना, भाखड़ा, गंग कैनाल परियोजना में रबी फसल के लिये सिंचाई पानी देने का आग्रह किया। वर्तमान में पोंग डेम लेवल 1224 फीट है। साथ ही जल संसाधन मंत्री को सरहिन्द फीडर में जनवरी माह में ली जा रही नहर बंदी स्थगित करवाने का आग्रह किया। जल संसाधन मंत्री ने हरिके बैराज से नहरी तंत्र के अवलोकन के लिये, पंजाब के मुख्यमंत्री से संपर्क करने, सरहिन्द फीडर नहरी क्षेत्र का दौरा करने व रबी फसल के लिये सिंचाई पानी उपलब्ध करवाने का आश्वासन दिया। साथ ही इंदिरा गांधी नहर परियोजना में सिंचाई खालों के लिये बजट जारी करने के एमओबी के अंतर्गत शेष निर्माण कार्यों के लिये अवधि बढ़ाने की बजट चर्चा की गई व आबियाना पर ब्याज माफी की अवधि 31 मार्च 2025 तक बढ़ाने का अनुरोध किया। इस पर जल संसाधन मंत्री द्वारा शीघ्र आदेश जारी करने का आश्वासन दिया। जल संसाधन मंत्री ने पूर्व केन्द्रीय मंत्री निहालचंद के साथ नहरी क्षेत्र की समस्याओं व आवश्यकताओं को लेकर एक घंटे तक विस्तृत चर्चा की। प्रतिनिधि मंडल में भारतीय किसान संघ के सत्यनारायण गोदारा, जल वितरण समिति के चेयरमेन रघुवीर सिंह, सूरतगढ़ ब्रांच अध्यक्ष सुखेन्द्र झोरड़, संदीप बेरीवाल सहित अन्य प्रतिनिधि मौजूद थे।

प्रदेश में मिला एचएमपीवी वायरस का एक ओर केस

जनमार्ग न्यूज

कोटा। राजस्थान में चीन में फैले कोरोना जैसे एचएमपीवी वायरस का एक और केस मिला है। बारां जिले की एक 6 महीने की बच्ची पॉजिटिव मिली है। जिले के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार बच्ची तीन महीने पहले पॉजिटिव मिली थी। फिलहाल ठीक है। बताया जा रहा है कि पीड़ित बच्ची का कोटा में इलाज चल रहा था। परिवार बच्ची को लेकर चार दिन पहले ही गांव लेकर आया था। बच्ची के गांव में गुरुवार को मेडिकल टीम सर्वे करने पहुंची तो जानकारी सामने आई। करीब तीन दिन पहले डूंगरपुर जिले के एक बच्चे में भी इस वायरस की पुष्टि हुई थी। दो महीने के मासूम का अहमदाबाद में इलाज चल रहा है। सारथल पीएचसी के इंचार्ज डॉ. नंद किशोर वर्मा ने बताया- जिले स्वास्थ्य विभाग से एक रिपोर्ट प्राप्त हुई है।

सुखबीर बादल का अकाली दल प्रधान पद से इस्तीफा मंजूर

जनमार्ग न्यूज

चंडीगढ़। पंजाब के पूर्व डिप्टी सीएम सुखबीर बादल का शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) के प्रधान पद से दिया गया इस्तीफा शुक्रवार (10 जनवरी) को मंजूर हो गया। इसे लेकर चंडीगढ़ में अकाली दल की वर्किंग कमेटी की मीटिंग हुई, जिसकी अध्यक्षता वर्किंग प्रधान बलविंदर सिंह भूंदड़ ने की। एक मार्च को प्रधान पद के लिए चुनाव होगा। गुलजार सिंह राणिके को मुख्य चुनाव अधिकारी लगाया गया है। 20 जनवरी से 20 फरवरी तक मेंबरशिप मुहिम शुरू की जाएगी। 25 लाख मेंबरशिप का टारगेट रखा गया है। शिरोमणि अकाली दल का गठन 14 दिसंबर 1920 को हुआ था। इसके बाद से पार्टी के 20 प्रधान बने। हालांकि, प्रकाश सिंह बादल के 1995 में पार्टी की कमान संभालने के बाद वह 2008 तक इस पद पर रहे। उसके बाद सुखबीर बादल को प्रधान बना दिया गया। 16 नवंबर 2024 को सुखबीर बादल ने इस्तीफा दे दिया था। अब 30 साल बाद ऐसा मौका आ रहा है कि बादल परिवार के बजाय कोई दूसरा अकाली दल का प्रधान बन सकता है। सुखबीर बादल को कुछ दिन पहले अकाल तख्त ने धार्मिक सजा सुनाई थी।

रूद्र शर्मा के अपहरणकर्ता अस्पताल से घायल अवस्था में गिरफ्तार

● आरोपियों को आज अदालत में पेश करेगी सदर पुलिस

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। स्थानीय रामदेव कॉलोनी की गली नंबर 9 निवासी बालक रूद्र शर्मा (8) का 10 लाख की फिरौती के लिए अपहरण करने के दोनों आरोपी युवकों दीपक उर्फ दीपू (20) और निखित उर्फ लक्की (20) निवासी खाटलबाना थाना हिंदूमलकोट को सदर थाना पुलिस ने आज दोपहर जिला अस्पताल से घायल अवस्था में ही गिरफ्तार कर लिया। दोनों को जिला अस्पताल में एंबुलेंस से सदर थाना में लाया गया। उनको कल अदालत में पेश किया जाएगा। दोनों आरोपियों के दोनों पैरों तथा एक आरोपी के एक हाथ में फ्रेक्चर है। पुलिस का कहना है कि यह दोनों परसों बुधवार रात कालूवाला बाईपास पर गंग

कैनाल के एसएसबी रोड नहर पुल के समीप लोगों द्वारा पकड़े जाने तथा इसकी सूचना मिलने पर पुलिस के वहां पहुंचने पर भागते समय ओवरब्रिज की दीवार से गिर गए जिससे इनके हाथ-पैरों पर चोटे लगीं। पुलिस के अनुसार अभी तक इस मामले में इन दोनों के अलावा इस मामले में एक संदिग्ध महिला की भूमिका सामने आई है, जिसकी बात आरोपियों ने रूद्र को उसकी मम्मी का कहकर करवाई थी। दीपक और निखित ने बुधवार दोपहर 11.30 बजे रूद्र को अगवा करने से एक दिन पहले मंगलवार को उसे गली में खेलते समय गोली टॉफी देकर अपने कुछ विश्वास में ले लिया था। दोनों आरोपी चिट्टा का नशा करते हैं। रूद्र का अपहरण करने से पहले यह छोटी-मोटी चोरी चकारी नशे की पूर्ति के लिए करते रहते थे लेकिन कभी पकड़े नहीं गए। नशे के लिए एक साथ बड़ी रकम पर हाथ मारने के लिए दोनों मोटरसाइकिल पर रोजाना श्रीगंगानगर आ जाते थे।

जयपुर पुलिस ने ठगी का कॉल सेंटर पकड़ा, 4 गिरफ्तार

जनमार्ग न्यूज

जयपुर। जयपुर पुलिस ने ठगी के एक कॉल सेंटर का शुक्रवार शाम पर्दाफाश किया है। ई-मित्र के नाम से खोल रहे फेक कॉल सेंटर पर दबिश देकर चार जनों को अरेस्ट किया गया है। कॉल सेंटर के जरिए ई-मित्र की आईडी से प्रॉफिट के साथ कैश बैक का झांसा देकर रकम ठगी जाती थी। पिछले 6 महीने में करीब 500 लोगों से फेक कॉल सेंटर गैंग 15 लाख रुपए कमाई कर चुकी है। पुलिस ने कॉल सेंटर से बड़ी संख्या में कम्प्यूटर, मोबाइल व अन्य सामान के साथ 78 हजार कैश बरामद किया है। मामले में फरार कॉल सेंटर ऑनर और वर्कर्स की तलाश में पुलिस टीमें दबिश दे रही है। डीएसपी (साउथ) दिगंत आनंद ने बताया कि साइबर फ्रॉड में आरोपी दीपक, संजय, नन्दवीर सैनी व विनोद को अरेस्ट किया है।

अपने आसपास की ताजा घटनाओं एवं दुर्घटनाओं की जानकारी व फोटो मो. 94140-87692, 77421-86692, 93526-86083 पर देवें। E-mail: Morningjanmarg@gmail.com

CMYK

सम्पादकीय

कुप्रबंधन की कीमत

तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए कारगर तैयारी की गई होती, तो इस हादसे से बचा जा सकता था। सवाल है कि इस हद तक बरती गई लापरवाही की वजह से जो हुआ, उसके लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाएगा! किसी भी हादसे का सबसे बड़ा सबक यह होना चाहिए कि ऐसे उपाय किए जाएं, ताकि दोबारा उसी तरह के हालात पैदा न हों। मगर धार्मिक स्थलों पर या ऐसे आयोजनों में जमा होने वाली भीड़ और उसके प्रबंधन को लेकर अक्सर इस हद तक लापरवाही बरती जाती है कि बार-बार भगदड़ की वजह से लोगों की जान जाने की घटनाएं सामने आ रही हैं। गौरतलब है कि तिरुपति के भगवान वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर परिसर में बुधवार को मची भगदड़ ने पुराने जख्मों को कुरेद दिया है। यह आमतौर पर देखा गया है कि किसी खास आयोजन की तैयारी तो कर ली जाती है, लेकिन भीड़ नियंत्रण और प्रबंधन के उपाय पहले से नहीं किए जाते। तिरुपति में भी ऐसा ही हुआ। वहां टोकन लेने के लिए श्रद्धालु उमड़ पड़े और देखते ही देखते अफरा-तफरी मच गई। उसके बाद मची भगदड़ में छह लोगों की जान जाने की खबर आई। तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए कारगर तैयारी की गई होती, तो इस हादसे से बचा जा सकता था। सवाल है कि इस हद तक बरती गई लापरवाही की वजह से जो हुआ, उसके लिए किसे जिम्मेदार ठहराया जाएगा! यह विचित्र है कि धार्मिक स्थलों पर होने वाले आयोजनों में भगदड़ मचने की स्थिति में उसमें फंसे श्रद्धालुओं को शीघ्रता से बाहर निकालने के लिए वैकल्पिक मार्ग का प्रबंध नहीं किया जाता। जबकि विशिष्ट अतिथियों को किसी भी प्रतिकूल स्थिति से बचाने के लिए उनके आने और जाने का अलग इंतजाम होता है। पिछले कुछ समय से इस तरह के आयोजनों में भीड़ के बेकाबू हो जाने की घटनाएं आए दिन सामने आ रही हैं। कई राज्यों में हुए ऐसे कई हादसों में अब तक सैकड़ों लोगों की मौत हो चुकी है। मगर ऐसी घटनाओं को रोकने को लेकर न तो कभी गंभीरता से विचार होता है, न कभी कोई ऐसी कार्रवाई होती है, जो आगे के आयोजनों के लिए सबक सिद्ध हो। ज्यादातर जांच रपटों में इसकी वजह भीड़ बताई जाती है, जबकि कुप्रबंधन का तथ्य आमतौर पर छिपा लिया जाता है। शायद ही कभी ऐसी भगदड़ और उसमें लोगों की मौत के लिए आयोजकों की जवाबदेही तय की जाती है और प्रशासनिक लापरवाही को जिम्मेदार ठहराया जाता है। नतीजतन, ऐसे हादसे लगातार सामने आ रहे हैं।

राजनीतिक जड़ता को तोड़ने की कोशिश

जनसुराज, फलां की बी-टीम है या उसे फलां से पैसा मिल रहा है या यह अमुक की अमुक के खिलाफ साजिश है। राजनीति में किसी भी गैर-राजनीतिक विरासत वाले व्यक्ति या समूह की एंट्री के साथ ही ऐसे शब्दों से स्वागत किए जाने की रवायत हिन्दुस्तान में पुरानी रही है। जनसुराज और प्रशांत किशोर के लिए भी फिलहाल ऐसे ही शब्द/ आरोप इस्तेमाल किए जा रहे हैं। ये आरोप कितने सही हैं, कितने गलत, इस पर अभी कोई निर्णय नहीं लिया जा सकता। इसके लिए यकीनन आम आदमी को इंतजार करना होगा। आम आदमी वैसे भी जल्दबाजी में कोई निर्णय नहीं लेता। मीडिया और बुद्धिजीवी भले ऐसा करते रहे हैं और अक्सर ग़लत साबित होते रहे हैं क्योंकि, बहुत सूक्ष्म विश्लेषण करेंगे, तो राजनीतिक इकोसिस्टम के भीतर एक किस्म का 'सत्ता का लौह सिद्धांत' पाएंगे, जहां सब मिले हुए हैं और मिलकर किसी भी नए प्रवेशी के लिए दरवाजा नहीं खोलना चाहते। अंग्रेज नौकरशाह एओ ह्यूम को कांग्रेस की स्थापना का आर्किटेक्ट कहा जाता है और यह भी कि कांग्रेस की स्थापना अंग्रेजों ने अपने सेफ्टी वाल्व के तौर पर की थी। आरएसएस, इसकी एक राजनीतिक शाखा बीजेपी है, की स्थापना करने वाले हेडगेवार के करीबी मित्र बीएस मुंजे के बारे में आपको यह जानकारी आसानी से मिल जाएगी कि इटली जाकर उन्होंने मुसोलिनी से मुलाक़ात की थी और उसकी राजनीतिक पार्टी का सूक्ष्म अध्ययन किया था। फिर भारत की जितनी भी कम्युनिस्ट पार्टियां हैं, उनका वैचारिक गर्भालान संबंध सोवियत रूस और चीन से रहा है। आप ध्यान देंगे, तो पाएंगे कि भारत की कम्युनिस्ट पार्टियों के मूल अंग्रेजी नाम इस तरह है, कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ़ इंडिया यानी भारत की कम्युनिस्ट पार्टी। इसका एक सरल भावार्थ यह हुआ कि भारत की कम्युनिस्ट पार्टियां महज इंटरनेशनल कम्युनिस्ट रिवोल्यूशन की एक शाखा हैं और आज भी ये रूस और चीन की कम्युनिस्ट पार्टियों (मार्क्स-लेनिन-माओ) की वैचारिकी पर चलते हैं। तो क्या ये सब किसी के एजेंट हैं? क्या ये सब किसी की बी या सी टीम है? आज भी हिन्दुस्तान में ओवैसी हो या केजरीवाल, इन पर किसी न किसी की बी-टीम होने के आरोप लगते रहे हैं। यह अलग बात है कि बी-टीम का आरोप झेलते-झेलते केजरीवाल ने दिल्ली और पंजाब में भाजपा और कांग्रेस को बी अथवा सी ग्रेड की पार्टी बना दिया। अब जाकर कुछ ऐसा ही बिहार में देखने को मिल रहा है, जब प्रशांत किशोर की जनसुराज पर किसी दल के बी या सी टीम होने का आरोप लग रहे हैं। नीतीश कुमार हो, लालू प्रसाद यादव या रविशंकर प्रसाद, सब जानते हैं कि कैसे जेपी या मोरारजी भाई देसाई तक को इंदिरा गांधी की तत्कालीन कांग्रेस ने विदेशी एजेंट तक बताया था। ऐसा इसलिए कि वर्षों से सत्ता पर काबिज एक राजनीति दल यह मान चुका था कि इंदिरा इज इंडिया, इंडिया इज इंदिरा। तो क्या इतिहास भूल जाना हमारे राजनेताओं की आम बीमारी है या फिर एक मजबूरी? यानी, जो नेता, जो दल खुद किसी न किसी आन्दोलन से निकले हैं, वे आज पीके को बिहार पब्लिक सर्विस कमिशन में हुई धांधली पर संघर्ष कर रहे छात्रों के समर्थन में आने के कारण अपना निशाना बना रहे हैं। उन्हें एजेंट या बी-टीम बता रहे हैं। मेरा दृढ़ मत है, जो लालू प्रसाद यादव के मत का ही समर्थन है कि तवे पर रोटी एक तरफ ज्यादा समय तक रह जाए, तो जल जाती है, इसलिए रोटी को उलटते-पलटते रहना चाहिए। ऐसे में, एक नया दल, एक नया व्यक्ति आकर इस 20 साल से पड़े तवे पर एक रोटी को बदलने की कोशिश करे, तो क्या उसे किसी की साजिश बताकर खारिज कर देना प्रजातांत्रिक मूल्यों का संवर्द्धन माना जाना चाहिए? प्रशांत किशोर बेसिकली एक डेटाक्रेट हैं। 2014 के लोकसभा चुनाव से लेकर जनसुराज के निर्माण के बीच, वे राजनीतिक दलों को चुनाव जिताने का ठेका लेते थे। एक हवा सी बनी देश में कि जिसके पास ज्यादा डेटा, वहीं चुनाव जीतेगा और पीके डेटा के मास्टर आदमी, तो नीतीश कुमार ने पहले उन्हें अपने चुनाव के लिए साथ लिया और बाद में अपनी पार्टी में शामिल कराया, लेकिन पीके महत्वाकांक्षी हैं और वे किसी राजनीतिक दल में किसी एक पद से संतोष कर लेने वाले नहीं दिखते। प्रशांत किशोर के लिए बिहार के आगामी विधानसभा चुनाव में ठीक-ठाक सफलता पाना मुश्किल हो सकता है। बेहतर सफलता के फिलहाल दो ही उपाय उनके समक्ष दिख रहे हैं। पहला कि जिस रास्ते से उन्हें पहली जीत मिली है, उस रास्ते पर अपनी यात्रा की गति बढ़ाएं और दूसरा कि समय-समय पर अपनी टीम की ताकत भी परखते रहें, जांचते रहें और जरूरत पड़ने पर तवे पर पड़ी रोटी को उलटते-पुलटते रहें।

जनभाषा से विश्व भाषा बन रही हिन्दी

भारत की 75 प्रतिशत जनता हिंदी बोलती और समझती है। इसमें 40 प्रतिशत से ज्यादा ऐसी जनसंख्या है जिनकी मातृभाषा हिंदी या उसकी बोली है। हिंदी भाषी लोग 137 से अधिक देशों में हैं। जहां भी भारतीय बसे हैं, वहां पर हिंदी है। विशेषकर हिंदी दक्षिण एशिया में व्यापक रूप से बोली जाती है एवं इस क्षेत्र के राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक माहौल पर हिंदी का बड़ा प्रभाव है। इक्कीसवीं सदी में हिंदी का विकास बीसवीं शताब्दी से कई गुना तीव्र गति से हो रहा हैं। हिंदी अब विश्व भाषा बनने की ओर अग्रसर है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार, शिक्षा और कूटनीति में भी हिंदी एक महत्वपूर्ण भाषा के रूप में उभरी है। विश्व में हिंदी भाषा के प्रति आकर्षण बढ़ा है।

वैश्विक स्तर पर हिंदी के प्रचार-प्रसार एवं इसे एक अन्तरराष्ट्रीय भाषा के रूप में स्थापित करने के उद्देश्य से 10 जनवरी 1974 को महाराष्ट्र के नागपुर में प्रथम विश्व हिंदी सम्मेलन का आयोजन किया गया था। इस सम्मेलन में 30 देशों के 122 प्रतिनिधियों ने भाग लिया था। वर्ष 2006 में तत्कालीन भारतीय प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने प्रति वर्ष 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। विश्व के 7,000 से अधिक भाषाओं के मध्य हिंदी ने निरंतर अपनी अलग पहचान बनाई है। हिंदी अपनी प्रयोजनमूलकता, सहजता, सरलता के कारण सिर्फ भारत तक ही सीमित नहीं रही है बल्कि आज यह विश्व के कई देशों में बोली और समझी जाती है।

दुनिया में सबसे ज्यादा बोली जाने वाली भाषाओं में अंग्रेजी (142 करोड़), मंदारिन चीनी (138 करोड़), हिंदी (66.2 करोड़), स्पैनिश (55.9 करोड़) एवं फ्रेंच (30.9 करोड़) हैं। संख्या के आधार पर विश्व में हिंदी भाषा, अंग्रेजी, मंदारिन भाषा के बाद तीसरे स्थान पर है। भारत की 75 प्रतिशत जनता हिंदी बोलती और समझती है। इसमें 40 प्रतिशत से ज्यादा ऐसी जनसंख्या है जिनकी मातृभाषा हिंदी या उसकी बोली है। हिंदी भाषी लोग 137 से अधिक देशों में हैं। जहां भी भारतीय बसे हैं, वहां पर हिंदी है। विशेषकर हिंदी दक्षिण एशिया में व्यापक रूप से बोली जाती है एवं इस क्षेत्र के राजनीतिक, सामाजिक और सांस्कृतिक माहौल पर हिंदी का बड़ा प्रभाव है। पाकिस्तान, भूटान, नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका, मालदीव, म्यांमार, इंडोनेशिया, सिंगापुर, थाईलैंड, चीन, जापान, ब्रिटेन, जर्मनी, न्यूजीलैंड, दक्षिण अफ्रीका, मॉरिशस, यमन, युगांडा और त्रिनाड एंड टोबैगो, कनाडा आदि देश शामिल हैं। अमेरिका, चीन, जर्मनी, साउथ कोरिया जैसे कई देश हैं जहां हिंदी पढ़ाई भी जाती है। हिंदी लगभग डेढ़ हजार वर्ष से भी अधिक पुरानी है। इक्कीसवीं सदी में हिंदी का विकास बीसवीं शताब्दी से कई गुना तीव्र गति से हो रहा हैं। हिंदी अब विश्व भाषा बनने की ओर अग्रसर है। संयुक्त राष्ट्र के गठन के 75 साल वर्ष 2020 में पूरे होने से कुछ समय पहले ही संयुक्त राष्ट्र संघ ने हिंदी न्यूज बुलेटिन की भी शुरुआत की थी। हिंदी संयुक्त राष्ट्र संघ की सातवीं आधिकारिक भाषा बनने की सबसे प्रबल दावेदार है। अंतरराष्ट्रीय व्यापार, शिक्षा और कूटनीति में भी हिंदी एक महत्वपूर्ण भाषा के रूप में उभरी है। विश्व में हिंदी भाषा के प्रति आकर्षण बढ़ा है जिसका कारण है हिन्दी भाषा का लचीलापन है। अनुकूलन की क्षमता के कारण यह सभी भाषाओं के शब्दों को अपने अंदर समेट लेती है। यह अनेक विदेशी भाषाओं को न केवल स्वीकार करती है बल्कि विश्व की समस्त भाषाओं को आत्मसात करने करने का प्रयास करती है। हिंदी भाषा में अन्य भाषा के कई शब्द लिए गए। अदालत, तारीख, मायने, अखबार, अदब, काफी, इज्जत, औरत, इलाज, कानून, औलाद, कुर्सी, हिम्मत और लिफाफा जैसे शब्द अरबी भाषा से हिंदी में आए हैं। अचार, चाबी, संतरा, बाल्टी, तौलिया, तंबाकू, आया और आलपिन आदि शब्द पुर्तगाली भाषा से, कैंची, चम्मच, बारूद, तोप, बेगम, खंजर, हफ्ता, हवा, दुकान, बादाम, उर्दू भाषा से और चेचक जैसे शब्द तुर्की से, अंग्रेज, साबुन, सूप, कूपन, मेयर, काजू, कारतूस शब्द फ्रैंच भाषा से, चिड़िया और बम डच भाषा

से लिए गए हैं। अकेडमी, एटलस, बाइबिल और टेलीफोन शब्द यूनानी भाषा से, चाय और लीची शब्द चीनी भाषा से एवं टाई, स्टेशन, माइक, रेल, क्यूट, स्कूल जैसे कुछ शब्द अंग्रेजी भाषा से भी लिए गए हैं।

तात्पर्य यह है कि अपनी सहजता और सरलता ही हिंदी को लोकप्रिय बनाती है और इसी के कारण हिंदी आज तकनीकी भाषा के रूप में स्वीकृत होती जा रही है। रोजगारपरकता, व्यावसायिकता, लोकप्रियता जैसी तमाम विशेषताओं को समेटे हिंदी अब वैश्विक परिप्रेक्ष्य में नई ऊंचाई की तरफ़ अपने कदम बढ़ा रही है। मोबाइल क्रांति एवं विज्ञान एवं तकनीक के सहारे पूरी दुनिया एक वैश्विक बाजार बन चुका है। वैश्विक पटल पर हिंदी संपर्क, प्रचार के साथ वैश्विक बाजार की भाषा बनती जा रही है। अमेरिका की भाषा नीति में दस नई विदेशी भाषाओं को जोड़ा गया है, जिनमें हिंदी भी शामिल है। मॉरीशस एवं ब्रिटेन में भी हिंदी का वर्चस्व बढ़ा है। देश-विदेश में इसे जानने-समझने वालों की संख्या में तेजी से इजाफा हो रहा है। इंटरनेट ने तो हिंदी के लिए नया आसमान मुहैया कराया है। शुरुआती बढ़त के कारण इंटरनेट पर अंग्रेजी का दबदबा है किंतु विगत दो दशक में स्थानीय भाषाओं में कंटेंट एवं पाठक बढ़े हैं। जैसे-जैसे इंटरनेट दुनिया भर के लोगों के लिए सुलभ होता जाएगा, हिंदी भाषा का उपयोग बढ़ने की संभावना और बलवती होगी। विदेश में 25 से अधिक पत्र-पत्रिकाएं लगभग नियमित रूप से हिंदी में प्रकाशित हो रही हैं। यूएई के 'हम एफ-एम' सहित अनेक देश हिंदी कार्यक्रम प्रसारित कर रहे हैं, जिनमें बीबीसी, जर्मनी के डायचे वेले, जापान के एनएचके वर्ल्ड और चीन के चाइना रेडियो इंटरनेशनल की हिंदी सेवा विशेष रूप से शामिल है। आज भारत के बाहर 265 से भी अधिक विश्वविद्यालयों में हिंदी की पहुंच है। हमारी राष्ट्रीय भाषा की अत्यधिक लोकप्रियता और बढ़ते अंतरराष्ट्रीय महत्व के साथ-साथ, हिंदी भाषा के क्षेत्र में रोजगार के अवसरों में भी जबर्दस्त प्रगति हुई है। प्रिंट और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, हिंदी सिनेमा के विभिन्न क्षेत्रों में हिंदी भाषा की पहुंच ने रोजगार में अभूतपूर्व वृद्धि की है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी को स्थापित करने में अनुवाद और अनुवादकों का महत्वपूर्ण स्थान है। वेब, विज्ञापन, सिनेमा और बाजार के क्षेत्र में हिंदी की मांग जिस तेजी से बढ़ी है, वैसी किसी और भाषा में नहीं। विज्ञान और तकनीक के रोजमर्रा के काम में उपयोग के बाद, अनुवाद प्रौद्योगिकी, गूगल, नेटफ्लिक्स, अमेजन, हिंदी में लोकलाइजेशन के साथ ग्रामीण क्षेत्र में भी बैंकिंग कारोबार, जनसंपर्क, विज्ञापन में हिंदी भाषी के लिए अवसर देगा। विश्व में भारत की प्रतिष्ठा बढ़ रही है और देश की प्रतिनिधि भाषा माने जाने के कारण हिंदी की भी। यह कोई अतिश्योक्ति नहीं है कि विश्व के विभिन्न देशों में भारतवंशियों ने शिक्षा, व्यवसाय, उद्योग, राजनीति में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। उन्होंने अपने अपने देशों में हिंदी भाषा को जीवंत रखने के प्रयास किए हैं। दृढ़ इच्छा शक्ति और सम्मिलित प्रयास से ही यह संभव हो पाएगा। यही प्रयास हिन्दी को संयुक्त राष्ट्र संघ की सातवीं आधिकारिक भाषा बनाने में भी अपेक्षित है। विश्व हिंदी दिवस पर हर हिंदी प्रेमी को हिंदी को विश्व भाषा के रूप में स्थापित करने का संकल्प लेना चाहिए। हिन्दी को भी ऐसे ही वैश्विक स्तर तक पहुंचाया जा सकता है कि जब हम उसका उपयोग सम्मान के साथ करें। हिन्दी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ग्राह्य बनाने के लिए उसे पारंपरिक व्याकरण के दबाव से मुक्त करना होगा और अधिक से अधिक सरलता को अपनाना होगा। हिंदी भाषा को आने वाले समय की भाषा बनाना हिन्दी भाषियों और अंतरराष्ट्रीय हिंदी दिवस का लक्ष्य होना चाहिए। इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए यह आवश्यक है कि पहले भारतवासी उसे हर क्षेत्र में प्रयोग में लाएं, तभी वह जनभाषा से विश्व भाषा बन पाएगी।

शिव दुष्ट में भी मौजूद हैं और धर्मात्मा में भी

केवल ज्ञान हमारी चेतना का उत्थान नहीं कर सकता है। अनुभव के बिना ज्ञान बिल्कुल वैसा ही है, जैसे कि बिना लक्ष्य की प्राप्ति हुए गधे पर बैठकर दौड़ना। हमें यह समझने की आवश्यकता है कि हम सीमित व्यक्ति नहीं, बल्कि ईश्वर का अभिन्न अंग हैं। शिव एक खाली स्थान की भांति, दिन और रात, सुख और दुख से अप्रभावित रहते हैं। शिव हमारे भीतर ही रहते हैं और भीतर से ही हमें आशीर्वाद देते हैं। यह वैसा ही है कि जिस प्रकार से बुरे स्वप्न से जागकर हमें यह पता चलता है कि हम सुरक्षित हैं। श्री रुद्रम को सुनने के बाद हमें हमारे वास्तविक स्वभाव के बारे में जागृति होती है, जो ईश्वर ही है। केवल धर्म संस्कार हमारा उत्थान नहीं कर सकते हैं। वास्तविक उत्थान भीतरी रूपांतरण, सरलता और ईश्वर के साथ अपने संबंध को पहचानने से होता है। शिव का सौंदर्य विविधता में मौजूद है। जिस प्रकार से सूर्य का प्रकाश सब जगह एक समान पड़ता है, वैसे ही शिव हर एक चीज में मौजूद है। जैसे - मिट्टी के गड्ढों में, घने जंगलों में, रेगिस्तान और पहाड़ों में, सब जगह पर शिव व्याप्त हैं। शिव दुष्ट में भी मौजूद हैं और धर्मात्मा में भी। उनका प्रेम सबके लिए है, इसमें कोई शर्त नहीं है और जो जैसा है, उसे शिव वैसे ही स्वीकार करते हैं। हमारी प्रवृत्तियों में मौजूद शत्रु हमारे विकास में बाधा डालते हैं। शिव से जुड़ जाने से, उनकी भक्ति करने से ये सारे भीतरी शत्रु यानी बुराइयां समाप्त हो जाती हैं और हमें बाहरी जगत की चुनौतियों से लड़ने की शक्ति मिलती है।

गुरु का स्थान श्रेष्ठ

एक राजा को पढ़ने लिखने का बहुत शौक था। एक बार उसने मंत्री-परिषद् के माध्यम से अपने लिए एक शिक्षक की व्यवस्था की। शिक्षक राजा को पढ़ाने के लिए आने लगा। गुरु तो रोज खूब मेहनत करते थे परन्तु राजा को उस शिक्षा का कोई लाभ नहीं हो रहा था। राजा बड़ा परेशान, गुरु की प्रतिभा और योग्यता पर सवाल उठाना भी गलत था क्योंकि वो एक बहुत ही प्रसिद्ध और योग्य गुरु थे। आखिर में एक दिन रानी ने राजा को सलाह दी कि राजन आप इस सवाल का जवाब गुरु जी से ही पूछ कर देखिये। राजा ने एक दिन हिम्मत करके गुरूजी के सामने अपनी जिज्ञासा रखी, हे गुरुवर क्षमा कीजियेगा, मैं कई महिनो से आपसे शिक्षा ग्रहण कर रहा हूँ पर मुझे इसका कोई लाभ नहीं हो रहा है। ऐसा क्यों है ? गुरु जी ने बड़े ही शांत स्वर में जवाब दियाः राजन इसका कारण बहुत ही सीधा सा है.. गुरुजी ने कहाः राजन बात बहुत छोटी है परन्तु आप अपने बड़े होने के अहंकार के कारण इसे समझ नहीं पा रहे हैं और परेशान और दुखी हैं। माना कि आप एक बहुत बड़े राजा हैं। आप हर दृष्टि से मुझ से पद और प्रतिष्ठा में बड़े हैं परन्तु यहां पर आप का और मेरा रिश्ता एक गुरु और शिष्य का है।.. गुरु होने के नाते मेरा स्थान आपसे उच्च होना चाहिए, परन्तु आप स्वंय ऊंचे सिंहासन पर बैठते हैं और मुझे अपने से नीचे के आसन पर बैठाते हैं। बस यही एक कारण है जिससे आपको न तो कोई शिक्षा प्राप्त हो रही है और न ही कोई ज्ञान मिल रहा है। आपके राजा होने के कारण मैं आप से यह बात नहीं कह पा रहा था।

क्या आप दूसरों की सफलता से जलते हैं

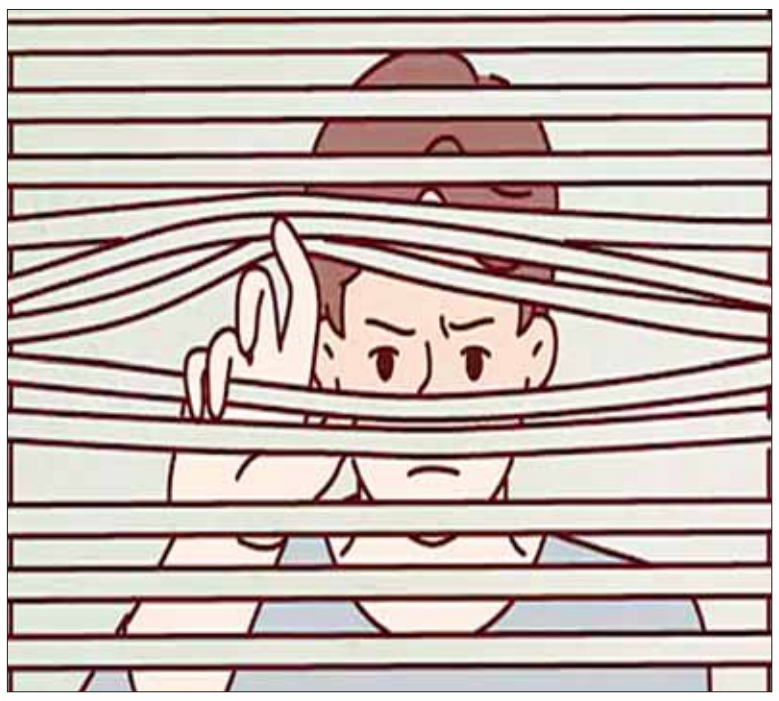

आपके साथ कभी ऐसा हुआ है कि किसी करीबी ने नई कार खरीदी हो और आपको खुशी के बजाय मन ही मन थोड़ी जलन हुई हो। या फिर ऑफिस में किसी सहकर्मी को प्रमोशन मिला हो और आप अपनी मेहनत का आकलन करने लगे हों। यही भावना जो हमारे भीतर खलबली मचाती है, ईर्ष्या है। हममें से कई लोग ऐसे हैं, जो इससे छुटकारा पाना चाहते हैं। कुछ लोग जब भी ऐसा कुछ महसूस करते हैं, उन्हें खुद से शर्मिंदगी होती है। इनमें से कई लोग ऐसे होते हैं, जो दिल से चाहते हैं कि उनका दोस्त सफलता की सीढ़ियां चढ़े। हालांकि, जब ऐसा होता है तो उन्हें जलन होती है। ऐसे समय में वे विरोधाभास महसूस करते हैं। वे समझ नहीं पाते हैं कि वे तो दोस्त की बेहतरी चाहते हैं, फिर उन्हें जलन क्यों हो रही है? जबकि ऐसा होना जरूरी नहीं है कि बुरा है। इसके पीछे कई कारण छिपे हो सकते हैं। ईर्ष्या एक ह्यूमन इमोशन है, लेकिन इसे समझना और संभालना बेहद जरूरी है। यह केवल एक भावना नहीं है, बल्कि यह हमारे रिश्तों और मानसिक स्थिति को भी प्रभावित करती है। अगर यह नियंत्रण में है तो हमारे लिए अच्छा है। वहीं आउट ऑफ कंट्रोल होने पर हमारे लिए मुसीबत बन सकती है। ईर्ष्या एक इमोशनल रिएक्शन है। ईर्ष्या तब होती है, जब हमें लगता है कि जो कुछ सामने वाले को मिल रहा है, वह हमारे पास नहीं है। किसी की उपलब्धि, रिश्ता या संपत्ति को देखकर मन में असुरक्षा और जलन होती है। यह भावना आमतौर पर दूसरों से तुलना के कारण पैदा होती है। आमतौर पर हम ईर्ष्या और द्वेष दोनों को नेगेटिव इमोशन मानते हैं। जबकि ऐसा नहीं है। ईर्ष्या तब महसूस होती है, जब हम किसी के पास कुछ देखकर उसे पाने की चाह रखते हैं। ईर्ष्या किसी के प्रति असुरक्षा का संकेत हो सकती है, जबकि द्वेष एक नुकसान पहुंचाने वाली भावना है। द्वेष ईर्ष्या का चरम रूप है, जहां हम न केवल किसी की उन्नति से जलते हैं, बल्कि उसका नुकसान करने की भी कोशिश करते हैं। ईर्ष्या आमतौर पर रोमांटिक रिश्तों में देखी जाती है। हालांकि, यह दोस्ती और सहकर्मियों या किसी भी रिश्ते में हो सकती है। व्यक्ति जब सामने वाले को कोई काम करते हुए और सफल होते हुए देखता है तो उसमें ईर्ष्या की भावना पैदा हो सकती है। ईर्ष्या में व्यक्ति खुद से भी नाराज हो सकता है। ईर्ष्यालु व्यक्ति को यह महसूस हो सकता है कि वह ऐसा क्यों नहीं कर सका। द्वेष और ईर्ष्या एक नहीं है। द्वेष अधिकतर रिश्तों में तकरार का कारण बनता है, जबकि ईर्ष्या हमें दूसरे के सफलता या संपत्ति से असंतुष्ट करती है। साथ ही साथ हमें बेहतर करने के लिए पुश कर सकती है। ईर्ष्या का कारण हर व्यक्ति में अलग हो सकता है, लेकिन कुछ कारण सब में देखे जा सकते हैं। जैसे व्यक्ति असुरक्षित महसूस करता है, खुद को नाकामयाब समझता है या उसे अकेलेपन का डर होता है, तो उसमें ईर्ष्या की भावना अधिक हो सकती है। इसके अलावा सेल्फ-रिस्पेक्ट कम होने पर या हमेशा दूसरों से अपनी तुलना करने वाले लोग भी ईर्ष्या का शिकार हो सकते हैं। आइए इसे ग्राफिक के जरिए समझते हैं। ईर्ष्या हमारे मेंटल और फिजिकल हेल्थ को नुकसान पहुंचा सकती है। ईर्ष्या के कारण करीबी रिश्तों में खटास पैदा हो सकती है। इसकी वजह से हम बार-बार दूसरों से तुलना करने लगते हैं और इस वजह से हमारा आत्मविश्वास कम हो जाता है। इससे डिप्रेशन और एंग्जाइटी जैसी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। इस वजह से हम अपने काम पर फोकस नहीं कर पाते हैं। ईर्ष्या के कई नेगेटिव प्रभाव हो सकते हैं। इसकी वजह से स्ट्रेस हो सकता है, ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है। अगर आप अपने ईर्ष्यालु स्वभाव से परेशान रहते हैं तो इससे दिल की बीमारी भी हो सकती है। ईर्ष्यालु स्वभाव के लंबे समय तक बने रहने से डिप्रेशन हो सकता है। ईर्ष्या की भावना असंतोष पैदा करती है, जिससे काम करने की और आगे बढ़ने की एनर्जी खत्म हो जाती है। द्वेष की वजह से हम दूसरों का नुकसान करने लगते हैं। इससे हमारे करीबी रिश्ते में भी खटास आ जाती है। यह सुनने में अजीब लग सकता है, लेकिन ईर्ष्या हमारी कमजोरियों और इच्छाओं को समझने में मदद करती है। ईर्ष्या का कारण क्षमता से कम हासिल करना हो सकता है। ऐसे में ईर्ष्या से हम यह जान सकते हैं कि हमें क्या चाहिए। इसके लिए हम कड़ी मेहनत कर सकते हैं। अगर ईर्ष्या को सही तरीके से समझा जाए, तो यह खुद को बेहतर बनाने के लिए प्रेरित कर सकती है। ईर्ष्या हम यह सीख सकते हैं कि हमें कहां सुधार करने की जरूरत है। इच्छाओं को पहचाननाः ईर्ष्या हमें हमारे लक्ष्य और इच्छाओं के प्रति सचेत कर सकती है। हमारे भीतर पनपने वाली ईर्ष्या की भावना द्वेष का रूप धरे, इससे पहले हमें संभल जाना चाहिए। वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ. सत्यकांत त्रिवेदी के बताए 7 जरूरी सलाह के बारे में जानते हैं। सबसे पहले, इस भावना को स्वीकार करें। इसे दबाने या इनकार करने से यह बढ़ सकती है। दूसरों से तुलना करना छोड़कर खुद पर ध्यान दें। हर कोई विशेष होता है और उनमें अनूठी काबिलियत होती है। मानसिक शांति पाने के लिए मेडिटेशन करें। इससे शांत रहकर सोचने-समझने की शक्ति बढ़ेगी और खुद पर काम सकेंगे। जो कुछ भी आपके पास है, उसके लिए कृतज्ञ बनें और जो नहीं है उसके लिए पूरे मन से प्रयास करें। अपनी कमजोरियों को सुधारने के लिए खुद को समय दें। खुद पर लगातार काम करने से आप मेहनत का महत्व समझेंगे। इससे आपमें दूसरों की प्रशंसा करने की भावना की पैदा होगी। जिस व्यक्ति से आपको ईर्ष्या हो रही है, उसके साथ बातचीत करें और उससे सीखने की कोशिश करें। अगर आप ईर्ष्यालु स्वभाव से परेशान हो गए हैं, तो एक्सपर्ट से सलाह लें क्योंकि समय के साथ यह द्वेष में बदल सकती है। ईर्ष्या एक सामान्य ह्यूमन इमोशन है, लेकिन इसे सही तरीके से समझना और संभालना जरूरी है। यह हमें बेहतर बनने के लिए प्रेरित कर सकती है, लेकिन अगर इसे नियंत्रण में न रखा जाए, तो लाइफ में कई सारी परेशानियां हो सकती हैं। अपनी पॉजिटिव एनर्जी को पहचानें और ईर्ष्या को खुद को मोटिवेट करने के लिए इस्तेमाल करें। याद रखें, हर इंसान अपनी जिंदगी में स्पेशल है। किसी की खुशी देखकर खुश होना सीखें, क्योंकि दूसरों की सफलता आपकी हार नहीं है।

3 ई छोटी की विभिन्न समस्याओं के समाधान के लिए जिला कलक्टर को ज्ञापन सौंपा

घर-घर कचरा उठाने, नालो की सफाई तली तक, एस.एस.बी रोड नाले को ब्लॉक से ढका जाने, 13 वर्षो से गंदे पानी निकासी के अधूरे पडे नाले का निर्माण करवाए, पीने के स्वच्छ पानी की व्यवस्था करवाने, नाली पुलिया सडक निर्माण कार्य का बजट होने के बाद भी कार्य नही हो रहे

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। शिवनगर जन सेवा समिति का एक शिष्टमण्डल अध्यक्ष गुरजंट सिंह के नेतृत्व में पंचायत समिति कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई के दौरान अतिरिक्त जिला कलक्टर से मिला व ग्राम पंचायत 3 ई छोटी में घर-घर कचरा उठाने, नालो की सफाई तली तक, एस.एस.बी रोड नाले को ब्लॉक से ढका जाने, 13 वर्षो से गंदे पानी निकासी के अधूरे पडे नाले का निर्माण करवाए, पीने के स्वच्छ पानी की व्यवस्था करवाने, नाली पुलिया सडक निर्माण कार्य हेतु करोडो रूपये का बजट होने के बावजूद भी निर्माण कार्य नही हो रहे है आदि माँगों का ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि ग्राम पंचायत 3 ई छोटी श्रीगंगानगर शहर से चिपती सबसे बडी ग्रम पंचायत है तथा इसकी आबादी की जनसंख्या लगभग 40-45 हजार के करीब है। लेकिन इतनी बड़ी ग्राम पंचायत होनेव शहर के साथ चिपती हुई होने के बावजूद मूलभूत सुविधाओं से वंचित है। पंचायत में करोडो का बजट होने के बावजूद जिला प्रशासन, राज्य सरकार जन सुनवाई की समस्याओं से अवगत करवाये जाने के उपरांत भी कोई कार्यवाही नही हुई है। ज्ञापन में घर घर कचरा उठाने की व्यवस्था करने के वाहन लगाया जाये, पंचायत क्षेत्र में स्थित नाले कूडे करकट व सिल्ट से भरे पडे है पूर्व में भी काफी बार इस संबध में जन सुनवाई व जिला प्रशासन को शिकायत दर्ज करने के बावजूद भी गंदे पानी के नालो की समस्याओं ज्यों कि त्यों बनी हुई है । ग्राम पंचायत कहती है कि नालो की सफाई यू.आई.टी करवायेगी और यू.आई.टी कहती है कि नालो की सफाई पंचायत करवायेगी। एस.एस.बी रोड गली नं 1 से 100 फुट रोड के नालो को सही करवाकर ऊपर से ब्लॉक लगाकर ढका जाये जिससे कि वहा कूडा कचरा लोगो द्वारा फेंकने से नाला ब्लॉक हो जाता है व गंदगी फैल रही है नाला ढकने से सफाई व्यवस्था में सुधार आयेगा। गंदे पानी की निकासी के लिये करीब 13 वर्षो से अधूरे पडे नाले का निर्माण जैन भवन से अग्रसेन रोड तक करवाया जाये। इसके अतिरिक्त ज्ञापन में पीने के पानी की व्यवस्था सही करवाने के लिये पानी की पाईप लाईनों का लेवल सही नही होने से टेल तक पानी नही पहुचता है। पुरानी ज्यादा गहरी पाईपो को बंद करवाया जाये। जिससे लोगो को गंदे पानी से निजात मिलेगी व टेल तक पानी भी पहुच जाए जगह-जगह पाईपो की लिकेज होने से लोगो को काफी परेशानी होती है इन्हे भी सही करवाया जाए व पानी की लीकेज के कारण सड़कें भी क्षतिग्रस्त हो रही हैं। गलीं नं 05 वार्ड नं 06 की चार सालो से सडक का निर्माण नही हो रहा है, गली नं 05 शाक्य धर्मशाला से एस.एस.बी मैन रोड तक नाली निर्माण, गली नं 1, 2 व 4 की टूटी फूटी पुलियो, नाली का निर्माण, खाटूश्याम मौहल्ले की गली नं 8-9 व शनि मंदिर के पास अधूरी पडी पुलिया व नाली निर्माण, शिवाजी नगर मे नाली सडकों का निर्माण करवाया जाये। करोडो का बजट होने के बावजूद भी 3 ई छोटी में निर्माण कार्य नही हो रहा है। इन कार्यो को जल्द से जल्द करवाया जाये। शिष्ट मण्डल में शंकर शर्मा, वीजेन्द्र सिंह चौहान, पवन शर्मा, हरजिन्द्र सिंह, रामवातार नाथ, भीमसेन, रामगोपल, सुभाष सोनी, अनूप, राजकुमार शर्मा, रामवीर सिंह, योगेश शर्मा, विजय आदि शामिल थे।

लोक अभियोजकों ने किया पदभार ग्रहण

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। गुरुवार को जिला मुख्यालय पर समस्त न्यायालयों में नव-नियुक्त लोक अभियोजकों ने अपने पद का कार्यभार ग्रहण किया। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद के पूर्व प्रांत प्रभारी आशीष पारीक ने उनकी नियुक्ति पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए इसे एक ऐतिहासिक कदम बताया। पारीक ने कहा कि राजस्थान सरकार ने इस बार राजनीति से ऊपर उठकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के कार्यकर्ताओं को प्राथमिकता दी है, जो समाज के लिए गौरव की बात है। उन्होंने कहा कि आरएसएस के व्यक्ति अपनी निष्पक्षता और अनुशासन के लिए जाने जाते हैं और उनकी नियुक्ति से जिले की कानून व्यवस्था को मजबूती मिलेगी।पारीक ने विश्वास जताया कि इन लोक अभियोजकों के माध्यम से न्यायपालिका में निष्पक्षता और पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। उन्होंने कहा कि आरएसएस के कार्यकर्ताओं की उपस्थिति से कानून व्यवस्था सुदृढ़ होगी और जनता को न्याय मिलने में तेजी आएगी। कार्यभार ग्रहण के दौरान सभी लोक अभियोजक आत्मविश्वास और समर्पण के साथ अपने दायित्वों को निभाने के लिए प्रतिबद्ध दिखे। यह कदम न्याय प्रणाली में भरोसा बढ़ाने और जिले में कानून व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस अवसर पर कई गणमान्य व्यक्ति और स्थानीय लोग उपस्थित रहे, जिन्होंने इस पहल की सराहना की और नव-नियुक्त लोक अभियोजकों को शुभकामनाएं दीं।

अर्ध रात्रि जागरण आज

जनमार्ग न्यूज

गजसिंहपुर। कस्बे के अरोड़ावंश श्री हनुमान मंदिर में 10 जनवरी शुक्रवार को एकादशी के उपलक्ष पर रात्रि 8:30 बजे से रात्रि 12 बजे तक खाटू वाले श्याम बाबा और सालासर बालाजी का अर्ध रात्रि भजन कीर्तन का आयोजन बड़े श्रद्धा के साथ करवाया जा रहा है। मुख्य सेवादार इंद्र काठपाल ने बताया कि विक्की चावला श्री करनपुर और सुनील बजाज गजसिंहपुर के द्वारा श्री श्याम और बालाजी का गुणगान किया जाएगा।

खेत मजदूर यूनियन की जिला कमेटी की बैठक आयोजित

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। अखिल भारतीय खेत मजदूर यूनियन की जिला कमेटी की बैठक के कामरेड मनीराम मेघवाल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में तय किया गया कि मनरेगा की मजदूरी600 करने ,भूमिहीनों को जमीन देने, आवास से वंचित लोगों को ऋण देने ,मनरेगा के दिन 200 दिन करने काम देने, सभी जरूरतमंदों को खाद्य सुरक्षा में शामिल करने खाद्य सुरक्षा में गैरजरूरी मांगों को हटाने बिजली के स्मार्ट मीटर , बिजली के निजीकरण के खिलाफ अभियान चलाएगी और पूरे जिले भर में धरना प्रदर्शन करेगी। इसी के अंतर्गत 6 फरवरी को पीलीबंगा में 13 फरवरी को हनुमानगढ़ में 20 फरवरी को टीवी तहसील मुख्यालयों पर प्रदर्शन किया जाएगा। उसके पश्चात 27 फरवरी को पूरे जिले से मनरेगा मजदूर, खेतीहर मजदूर, भूमिहीन जिला कलेक्टर कार्यालय पर प्रदर्शन करेंगे जिसकी तैयारी के लेकर एक कमेटी का गठन किया गया है जो सभी गांव गांव में जाएगी और प्रदर्शन में शामिल होने की अपील करेगी साथ में तय किया गया कि फरवरी माह में 20000 सदस्य ग्रामीण खेत मजदूर यूनियन के बनाएंगे आज की बैठक में खेत मजदूर यूनियन के नेता रघुवीर सिंह वर्मा जिला सचिव प्रहलाद बहलोल नगर जगजीत सिंह जग्गी पोखर राम तेज सिंह प्रेमी आदराम मेघवाल अमरजीत सिंह मलकीत सिंह सजन सिह कृष्णादेवी दीपाराम गुरतेज सिंह आदि शामिल रहे।

बालक रुद्र की सकुशल बरामदगी पर जिला पुलिस का जताया आभार

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। मानवता को समर्पित सांझी सेवा सरबत दा भला संस्था ने बुधवार सुबह रामदेव कालोनी से अपहरण किए गए बच्चे रुद्र की सकुशल बरामदगी पर जिला पुलिस का आभार व्यक्त करते जिला पुलिस अधीक्षक गौरव यादव के नेतृत्व में पूरी पुलिस टीम द्वारा उत्कृष्ट कार्यवाही करने पर गुरुवार को एएसपी रघुवीर शर्मा को बुके भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर संस्था अध्यक्ष व सिख वर्ल्ड म्यूजिक एकेडमी के संचालक सिमरजीत सिंह मारवाह सहित दशमेश तरना दल के मुखी महाकाल बाबा राज सिंह खालसा, जिला अभिभावक संघ के अध्यक्ष बाबी पहलवान, बाबा मनजीत सिंह रंगरेटा, बाबा करण सिंह ,बाबा लाडी सिंह आदि ने आठ वर्षीय रुद्र की सकुशल बरामदगी पर खुशी जाहिर करते हुए पुलिस प्रशासन और जागरूक लोगों की प्रशंसा की है।

भाजपा नगर मण्डल पश्चिम के सुशील व देहात के बलविन्द्र के पुन: निर्वाचन पर विधायक ने स्वागत किया

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। भारतीय जनता पार्टी, राजस्थान के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ जी के आदेशानुसार एवं जिलाध्यक्ष शरणपाल मान के निर्देशानुसार नगर मण्डल पश्चिम क्षेत्र के एडवोकेट सुशील अरोड़ा एवं देहात मण्डल के बलविन्द्र सिंह मग्गों के पुनः अध्यक्ष निर्वाचित होने पर आज विधायक सेवा केन्द्र, सुखाड़िया सर्किल में विधायक श्री जयदीप जी बिहाणी ने स्वागत कार्यक्रम रखा, जिसमें ज्येष्ठ, श्रेष्ठ पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं सहित दोनों नवनिर्वाचित मण्डल अध्यक्षों को स्वागत किया और कहा कि संगठन ही सर्वोपरि है। हर व्यक्ति हर जगह उपस्थित नहीं हो सकता, आप पार्टी के मण्डल अध्यक्ष है, आप व आपकी समस्त टीम ने समय-समय पर शहर की समस्याओं को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और आगे भी निभाते रहेंगे। मैं आपको सदैव पूर्ण सहायता उपलब्ध करवाउंगा। आधी रात को भी मेरे दरवाजे खुले है, मैं जनता का सेवक हूं जनता ने ही मुझे चुना है। श्री बिहाणी ने संगठन के महत्व को समझाते हुए कहा कि संगठन ही मेरे लिए सर्वोपरि है। दोनों मंडल अध्यक्षों ने विधायक जयदीप बिहाणी जी का आभार व्यक्त कर मिठाई खिलाकर खुशी व्यक्त की। जयदीप बिहाणी जी ने भी सभी कार्यकर्ताओं का मुंह मीठा कर स्वागत किया। इसके बाद पदमपुर रोड़ पर माई पैराडाईज, पदमपुर रोड़ पर छिन्द्र मेहता जी के स्वागत कार्यक्रम रखा गया, जिसमें मुख्य रूप से दोनों मण्डल अध्यक्षों के साथ छगन बलाना, इन्द्रजीत मेहता, परमजीत कोहली, नवलकिशोर शर्मा, रिंकू सिंह, सुरेन्द्र स्वामी, इन्द्रजीत झाझड़िया, प्रभु शर्मा, नरेश गर्ग, सेम कालड़ा, कन्हैया साई, महेश मेहन्दीरत्ता, मुकेश मक्कड़, विनोद पूनिया, मोनू सिंह, मांगीराज बारड़, मोहन सिंह मोनू, सूरज सोनी, राधेश्याम, मदन स्वामी, प्रवीण भठेजा, वीरेन्द्र आहूजा, तनू मोंगा, सोनू, कमल भारद्वाज, सुरेश सोनी, मुकेश कुमार चन्देल, मुकेश राव, योगेश कुमार, सोनू चुघ सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित थे।

रोटरी सिटी का स्वेटर वितरण जारी

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। रोटरी क्लब श्रीगंगानगर सिटी का स्वेटर वितरण कार्यक्रम जारी है। अध्यक्ष डॉ. सुरेन्द्र ढाका ने बताया कि राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय सिहागावाली में अजय गुप्ता, विश्वबंधु गुप्ता, नागर मित्तल, एडवोकेट पूर्ण घोडेला, विनोद अग्रवाल, विपुल बिहानी, अध्यक्ष डा. सुरेंद्र ढाका, सचिव राहुल जैन, अर्जुनलाल चमड़िया, दीनदयाल गुप्ता आदि इस मौके पर उपस्थित रहे। क्लब का सात स्कूलों में लगभग 700 स्वेटर वितरण का लक्ष्य है।

बार एसोसिएशन में आज मनाया जायेगा लोहड़ी

बार एसोसिएशन के सभी अधिवक्ता इसमे होगे शामिल

श्रीगंगानगर(जनमार्ग न्यूज)। बार एसोसिएशन श्री गंगानगर द्वारा लोहड़ी पर्व बहुत ही धूम धाम के साथ मनाया जायेगा। प्रेस सचिव सुमेश शर्मा ने बताया की यह आयोजन बार रूम के सामने पार्क मे शुक्रवार 10 जनवरी को दोपहर 1.30 बजे से आयोजित किया जायेगा। आयोजन मे अध्यक्ष जसवन्त सिंह भादू, सचिव अशोक सैनी, उपाध्यक्ष विनोद सिवर के सानिध्य मे कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा।

बाबा रामदेव सामाजिक समरस्ता यात्रा का स्वागत

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। विश्व हिंदू परिषद द्वारा श्रीगंगनगर विभाग में निकाली जा रही बाबा रामदेव सामाजिक समरस्ता यात्रा गुरुवार को हनुमानगढ़ पहुंची। इस अवसर पर यात्रा का भव्य स्वागत किया गया। यात्रा का स्वागत विश्व हिंदू परिषद के जिलाध्यक्ष डॉ. निशांत बत्तरा, पूर्व प्रांत प्रभारी आशीष पारीक, कुलदीप नरूका, विजय कौशिक व मोहन चंगाई के नेतृत्व में नगरनिवासियों ने किया। गंगानगर चौक से प्रारंभ हुई इस यात्रा का स्वागत महिलाओं ने एक सुंदर कलश यात्रा के साथ किया। महिलाएं सिर पर कलश धारण कर, मंगल गीत गाती हुई रामदेव मंदिर की ओर बढ़ी। इस दृश्य को देखकर क्षेत्र के लोग मंत्रमुग्ध हो गए। महिलाएं अपनी पारंपरिक परिधानों में श्रद्धा के साथ भाग ले रही थीं। इस प्रकार की समर्पण और श्रद्धा यात्रा के महत्व को और बढ़ा रही थी। रामदेव मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में विशेष रूप से विश्व हिंदू परिषद जोधपुर प्रांत संगठन मंत्री आदरणीय राजेश भाई साहब उपस्थित रहे। उन्होंने समाज के सभी वर्गों को संबोधित करते हुए समाज में समरसता और धर्म के प्रति जागरूकता बड़ाने का संदेश दिया।

राजेश भाई साहब ने कहा कि केवल यात्रा निकालने से हमारा उद्देश्य पूरा नहीं होता। यात्रा का असली लाभ तभी होता है जब हम इसके माध्यम से समाज में सामाजिक समरसता और धर्म के प्रति जागरूकता लाते हैं। उन्होंने शीतला माता के मंदिर का उदाहरण देते हुए स्पष्ट किया कि हमारी संस्कृति में संत, ऋषि, और देव हो सकते हैं, लेकिन पीर नहीं हो सकते। यह बदलाव तब आता है जब हम अपनी धार्मिक पहचान और संस्कृति से विमुख हो जाते हैं और बाहरी मान्यताओं को अपनाते हैं।

उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हमारे ग्रंथों में कहीं भी यह उल्लेख नहीं है कि कोई व्यक्ति जन्म से अस्पृश्य है। अस्पृश्यता और वर्गभेद की अवधारणा विदेशी आक्रमणों के समय हमारे समाज में तोड़फोड़ करने के लिए लाई गई थी। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि अनुसूचित जाति और जनजातियां हमारे समाज का अभिन्न हिस्सा हैं और ये हमारी प्राचीन परंपराओं का हिस्सा रही हैं। इस कार्यक्रम में समाज के हर वर्ग से लोगों ने भाग लिया और समरसता की भावना को प्रबल किया। कार्यक्रम में यह भी संदेश दिया गया कि समाज में समरसता और एकता बनाए रखने के लिए हमें अपने रीति-रिवाजों और संस्कृति को निभाना चाहिए। साथ ही, समाज में भाईचारे और समानता की भावना को स्थापित करना जरूरी है।

हाईकोर्ट की रीवा कलेक्टर को फटकार

कहा-आपका काम जनता की सेवा; किसान को 30 साल बाद मिली अधिग्रहित जमीन, 25 हजार का जुर्माना भी

जबलपुर। मध्यप्रदेश के रीवा जिले के किसान राकेश तिवारी को हाईकोर्ट से 32 साल बाद राहत मिली है। कोर्ट ने किसान की लड़ाई को जायज मानते हुए जिला प्रशासन को कड़ी फटकार लगाई और कलेक्टर पर 25 हजार रुपए की कास्ट भी लगाई। दरअसल, राकेश तिवारी की जमीन पर जिला प्रशासन ने जबरन अधिग्रहण कर लिया था। इतना ही नहीं, नोटिस भी तब भेजा गया जब किसान अपने घर पर नहीं था। आनन-फानन में किसान की करीब सवा एकड़ जमीन को हाउसिंग बोर्ड सोसाइटी के हवाले कर दिया गया। किसान ने रीवा के कलेक्टर और कमिश्नर से कई बार अपनी जमीन को लेकर राहत की अपील की, लेकिन उसे कोई सुनवाई नहीं मिली। आखिरकार, राकेश तिवारी ने हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया, जहां से उसे न्याय मिला।राकेश तिवारी की कहानी एक संघर्ष की मिसाल है। उनके पास सवा एकड़ पैतृक जमीन है, जिस पर वह खेती करके अपना जीवन यापन करते हैं। 1993 में रीवा हाउसिंग बोर्ड ने घोषणा की थी कि राकेश तिवारी की जमीन पर एक कॉलोनी बनाई जाएगी, और इसे जबरन अधिग्रहित कर लिया गया। हैरानी की बात यह थी कि इस निर्णय के बारे में न तो हाउसिंग बोर्ड ने राकेश तिवारी को सूचित किया और न ही राजस्व अधिकारी उनके पास आए। इसके अलावा, राकेश तिवारी को इस अधिग्रहण के बदले कोई मुआवजा भी नहीं दिया गया। 2015 में राकेश तिवारी को हाउसिंग बोर्ड से एक नोटिस मिला, जिसमें कहा गया कि वह अपनी जमीन छोड़ दें और मकान खाली कर दें, क्योंकि अब यह जमीन हाउसिंग बोर्ड की संपत्ति बन चुकी है। इस नोटिस का जवाब देते हुए राकेश तिवारी ने हाउसिंग बोर्ड को यह स्पष्ट किया कि जब तक उन्हें इस जमीन का मुआवजा नहीं दिया जाता, वह इसे नहीं छोड़ेंगे। सात दिन बाद हाउसिंग बोर्ड ने दूसरा नोटिस जारी किया, जिसमें लिखा था कि यदि उन्होंने जमीन खाली नहीं की तो उन्हें जबरन वहां से हटा दिया जाएगा।

बच्चों, तुमने टीवी पर देखा होगा इस भीषण सर्दी में कई ठंडे प्रदेशों में खूब बर्फ गिर रही है। दुनिया में कुछ स्थानों पर होने वाली बर्फबारी से ऐसी आकृतियां बन जाती हैं, जो देखने में बहुत ही आकर्षक और अनोखी लगती हैं। जानो, बर्फ से बनी कुछ ऐसी ही अद्भुत आकृतियों के बारे में।

शीत काल में बर्फ से बनने वाली ये अजब-गजब आकृतियां

आइस वोल्केनो

बच्चों, उत्तरी अमेरिका की झीलों में अकसर बर्फ के ज्वालामुखी फूटते देखे जाते हैं। कुछ वर्ष पहले ओंटारियो झील के तटीय क्षेत्र में सैकड़ों की संख्या में बर्फ के ज्वालामुखी फूटते देखे गए। अकसर उत्तरी गोलार्ध में झीलों के पास बर्फ कठोर होकर पहाड़नुमा या स्तूप की तरह संरचना बना लेती है। ये स्तूप बीच से खोखले होते हैं। जब हवा में तीव्रता आती है और अचानक लहरें ऊपर की ओर उछाल मारती हैं तो इन स्तूपों की खोखली जगह के बीच से पानी की बौछार तेजी से ऊपर की ओर आती हैं। इन्हें देखकर ज्वालामुखी फूटने का एहसास होता है। अंतर यही है कि जो वास्तविक ज्वालामुखी होते हैं, उनसे गर्म लावा फूटता है, जबकि आइस वोल्केनो से ठंडी बौछारें निकलती हैं। *

फ्रॉस्ट फ्लावर्स

सर्दियों में कई जगह, विशेष रूप से आर्कटिक सागर और उसके आस-पास के क्षेत्रों में बर्फ से कई तरह के फूलों की आकृतियां बन जाती हैं। इन्हें 'फ्रॉस्ट फ्लावर' कहा जाता है। फ्रॉस्ट फ्लावर के कई रूप होते हैं, जैसे- नीडल आइस, फ्रॉस्ट पिलर्स, आइस रिबन, रैबिट फ्रॉस्ट या रैबिट आइस आदि। जब बर्फ की पतली परतें हवा के दबाव में कई घुमाव लेकर फूलों जैसा रूप ले लेती हैं, तब उन्हें फ्रॉस्ट फ्लावर कहते हैं। आमतौर पर ये फ्लावर्स तीन-चार सेंटीमीटर व्यास के होते हैं। ये अकसर गुच्छों में दिखते हैं। कई बार पानी की सतह पर तो कई बार गीली जमीन पर या फिर ठंडे समुद्री किनारों के पास इन्हें देखा जा सकता है। इन फूलों में से एक आइस लोटस यानी बर्फ कमल, ठंडी जगहों पर सिर्फ सुबह या शाम के वक्त ही दिखते हैं। तापमान जरा सा भी बढ़ जाए तो ये तुरंत पिघल जाते हैं। *

आइस बॉल्स

अंटार्कटिका और उत्तरी आर्कटिक क्षेत्र से लेकर उत्तरी अमेरिका की झीलों के आस-पास आइस बॉल्स या आइस बाउल्डर्स खूब देखे जा सकते हैं। बर्फ के कण, हवा या अन्य कारणों से गोलाकार हो जाते हैं। कई बार ये गोल ना भी हों तो सुई के आकार के हो जाते हैं। इन्हें 'फ्रेजिल आइस' कहते हैं। ठंडे पानी में तैरते हुए ये बर्फ के टुकड़े पैनकेक या डिस्क जैसे नजर आते हैं। ठंडे पानी की तेज लहरों में ये आइस स्लश गोलाकार होकर गेंदनुमा भी हो जाते हैं। *

आइस शीव्स

बर्फीली झीलों पर अकसर दूर-दूर तक बर्फ के टुकड़े छोटे-छोटे ब्लॉक्स के शेप में तैरते रहते हैं। जब हवा के तेज झोंके चलते हैं तो इनकी अठखेलियां देखने लायक होती हैं। बर्फ के ये ब्लॉक्स कई बार तेज हवा में उछाल मारकर किनारे तक आ जाते हैं। कई बार तो ये आगे जाकर आस-पास के घरों से भी टकरा जाते हैं। देखने में ये ब्लॉक्स बहुत आकर्षक लगते हैं। *

आइस क्रिस्टल

सर्दियों में जब झीलों में बर्फ जमने लगती है तो इससे तरह-तरह की अनोखी आकृतियां बनती हैं। हर आकृति दूसरी आकृति से भिन्न होती है। तिकोनी, चौकोर, षटकोणीय, बहुकोणीय जैसे कई ज्योमेट्रिकल शेप्स में ये होती हैं। कई बार तो ये किसी बेशकीमती नगीने जैसी दिखती हैं। बर्फ के इन क्रिस्टल पर जब सूर्य की किरणें पड़ती हैं तो ये इंद्रधनुषी रंग बिखेरते हुए मन को मोह लेती हैं। *

प्रेरक प्रसंग

बच्चों, स्वामी विवेकानंद की गिनती भारत ही नहीं, दुनिया के महानतम विचारकों में होती है। उनके जीवन से जुड़े प्रसंग हमारे लिए बहुत प्रेरणादायी हैं। यहां हम तुम्हें स्वामी विवेकानंद के जीवन से जुड़ा एक प्रेरक प्रसंग बता रहे हैं।

जब स्वामी विवेकानंद ने बताया एकाग्रता का रहस्य

अकसर ही बच्चों को यह शिकायत रहती है कि वे पढ़ाई में अपना दिमाग कंसंट्रेट नहीं कर पाते, उन्हें पढ़ा हुआ याद नहीं रहता। ऐसे में हम तुम्हें भारत की महान विभूति स्वामी विवेकानंद के जीवन से जुड़ा एक प्रसंग बता रहे हैं, इसे पढ़कर तुम समझ सकोगे कि अपनी पढ़ाई कैसे एकाग्रता के साथ करें?

बात उन दिनों की है, जब स्वामी विवेकानंद भारत भ्रमण कर रहे थे। इस यात्रा में उनके साथ उनके एक गुरु भाई भी थे। यात्रा और विश्राम के दौरान जहां कहीं अच्छे ग्रंथ, अच्छी पुस्तकें मिलतीं, विवेकानंद जरूर पढ़ते। जब भी किसी नई जगह जाते, सबसे पहले वह वहां किसी अच्छे पुस्तकालय की तलाश करते। एक जगह बड़ा पुस्तकालय देखकर विवेकानंद जी ने सोचा, क्यों न थोड़े दिनों तक यहीं रुका जाए। वह अपने गुरु भाई के हाथों रोज पुस्तकालय से नई पुस्तक मंगाते और उसे पढ़कर अगले ही दिन वापस करवा देते। रोज नई-नई किताब इस तरह से देते और वापस लेते देख उस पुस्तकालय के अधीक्षक बड़े हैरान रहते। एक दिन विवेकानंद के गुरु भाई से वह बोले, 'क्या आप नई-नई किताबें रोज केवल देखने के लिए ले जाते हैं? यदि इन्हें देखना ही है, तो मैं यूं ही यहीं पर दिखा दिया करूं। रोज-रोज इतना वजन उठाने की क्या जरूरत?'

पुस्तकालय अधीक्षक की इस बात पर स्वामी विवेकानंद के गुरु भाई ने जवाब दिया, 'जैसा आप समझ रहे हैं, वैसा कुछ भी नहीं है। हमारे गुरु भाई विवेकानंद इन सब पुस्तकों को पूरी गंभीरता से पढ़ते हैं, फिर वापस करते हैं।'

पुस्तकालय अधीक्षक को बड़ा आश्चर्य हुआ, उन्होंने कहा, 'यदि ऐसा है तो मैं आपके गुरु भाई से जरूर मिलना चाहूंगा।'

अगले दिन पुस्तकालय अधीक्षक स्वामी विवेकानंद से मिले, उन्होंने इतने कम समय में इतनी ढेर सारी पुस्तकें पढ़ लेने का राज पूछा। विवेकानंद जी ने पुस्तकालय अधीक्षक की जिज्ञासा शांत करते हुए कहा, 'महाशय, आप हैरान न हों। मैंने न केवल उन पुस्तकों को पढ़ा है, बल्कि उनको याद भी कर लिया है।' इतना कहते हुए उन्होंने वापस की गई कुछ किताबों के कई महत्वपूर्ण अंश पुस्तकालय अधीक्षक को सुना भी दिए। वह आश्चर्यचकित रह गए। उन्होंने स्वामी विवेकानंद से उनकी याददाश्त का रहस्य पूछा। विवेकानंद जी ने बताया, 'अगर पूरी तरह एकाग्र होकर पढ़ा जाए तो किताब की बातें दिमाग में अंकित हो जाती हैं, लेकिन इसके लिए आवश्यक है कि पढ़ने के दौरान मन में दूसरी बातें न हों, मस्तिष्क पूरी तरह से एकाग्र हो। ये दोनों ही गुण निरंतर प्रयास और अभ्यास से आते हैं।'

पुस्तकालय अधीक्षक महोदय स्वामी विवेकानंद की बात सुनकर उनसे बहुत प्रभावित हुए। बच्चों, तुम्हें समझ में आ गया होगा, पढ़ा हुआ याद रहे, इसके लिए मन की एकाग्रता बहुत जरूरी है। *

अपनी बहुरंगी संस्कृति

मकर संक्रांति के कुछ दिन पहले स्काउटिंग से जुड़े विभिन्न प्रदेशों के बच्चे जम्मू में जंबूरी नाम का त्योहार मनाने एकत्र हुए। सुमित और मुकेश भी इसमें सम्मिलित हुए। यहां दोनों को विभिन्न प्रदेशों के कैंप में मकर संक्रांति के पर्व की झांकी भी देखने को मिली। आयोजन में सुमित, मुकेश ही नहीं, वहां आए अन्य लोग भी देश की बहुरंगी संस्कृति से परिचित हुए। सबके लिए यह यादगार अनुभव रहा।

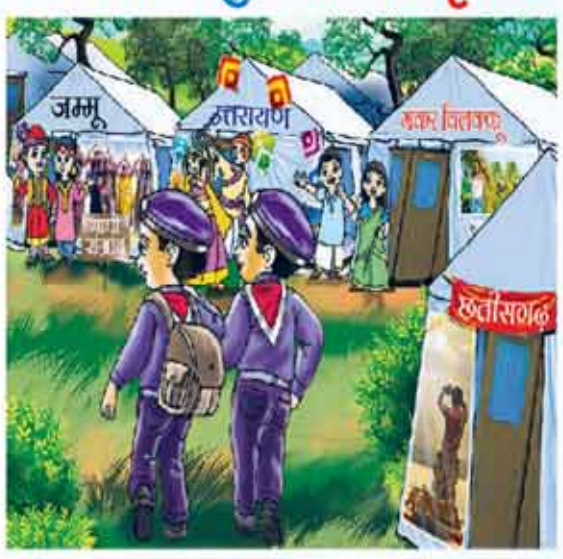

जनवरी के दूसरे हफ्ते में सुमित और मुकेश ट्रेन द्वारा रायपुर से जम्मू पहुंच गए। उनके साथ छत्तीसगढ़ से तीस अन्य बच्चे और उनके प्रशिक्षक भी थे। वे वहां स्काउट फेस्टिवल जंबूरी में भाग लेने गए थे। जंबूरी, स्काउटिंग में एक वार्षिक त्योहार जैसा होता है। जिसमें देश भर के स्काउट गाइड लड़के-लड़कियां मिलकर खेल और रोमांचक गतिविधियां करते हैं। एक-दूसरे राज्यों की संस्कृति और भाषा को जानते-समझते हैं। स्काउटिंग के जन्मदाता बेडन पावेल ने इस त्योहार का नाम जंबूरी रखा था। अन्य महत्वपूर्ण कार्यक्रमों के अलावा इन सात दिनों की जंबूरी के अंत में चौदह जनवरी को मकर संक्रांति का पर्व था। इसलिए जंबूरी में उस दिन सभी राज्यों के बच्चों को अपने राज्य की परंपरा से इस पर्व को मनाने के लिए निर्देश दिए गए थे ताकि सभी बच्चे देश की बहुरंगी संस्कृति से परिचित हो सकें।

सभी राज्यों के बच्चे इसके लिए अपनी ओर से पूरी तैयारी करके आए थे। उस दिन सभी राज्यों के बच्चों ने अपने-अपने टैंट को अपने राज्य की परंपरा के अनुसार सजाया था। अपने-अपने राज्य की परंपरागत वेशभूषा पहने बच्चे बहुत सुंदर लग रहे थे। अपने राज्य के टैंट की सजावट के लिए सुमित और मुकेश ने साथियों के साथ लगकर 'माघी संग्रांद' का बड़ा-सा बैनर लगाया। एक दीवार पर माह (उड़द) की दाल की खिचड़ी के दान का, अरपा नदी के किनारे स्नान करते और सूर्य की पूजा करते श्रद्धालुओं की भीड़ का दृश्य बनाया और तिल के लड्डुओं की थाली दर्शकों के प्रसाद के लिए रख दी। फिर वे दोनों प्रशिक्षक से अनुमति लेकर जंबूरी देखने निकल पड़े।

सबसे पहले जम्मू के युवा परंपरागत पोशाक पहन सभी दर्शकों का स्वागत कर रहे थे। उनके टैंट के सामने बड़े-बड़े अक्षरों में 'माघी संग्रांद' लिखा था। दाल की खिचड़ी दान करने, तीर्थ स्थलों पर मेले और पवित्र स्नान के चित्रों से उसे सजाया गया था। जिसको वे देखने वालों को समझा भी रहे थे। सुमित-मुकेश आगे बढ़े तो देखा गुजरात राज्य के बच्चों ने अपने टैंट को सुंदर रंग-बिरंगी पतंगों से सजा रखा था। उनके टैंट के ऊपर बड़ा सा 'उत्तरायण' लिखा था। टैंट की दीवारों पर पतंग महोत्सव के शानदार चित्र लगे थे। उन्होंने टैंट की एक दीवार को स्क्रीन बनाया और उस पर एक पतंग उत्सव की फिल्म दिखा रहे थे। फिल्म में छतों पर पतंग उड़ाते लोग और तिल के लड्डू और गुड़ की चिक्की खरीदते-खाते लोग दिखाई दे रहे थे।

आगे केरल राज्य के स्काउट बच्चे थे। उनके टैंट के ऊपर बड़ा-सा 'मकर विलक्कू' लिखा हुआ था। अपनी परंपरागत वेशभूषा में वे बच्चे बहुत अच्छे लग रहे थे। सबरीमाला मंदिर में पूजा करते, सूर्योपासना करते फसल की कटाई करते, तिल और चीनी से बनी मिठाइयां खाते खरीदते लोगों के चित्र देखकर सुमित और मुकेश बहुत खुश हुए। आगे तमिलनाडु राज्य वालों ने बड़ा सा 'पोंगल' लिखा हुआ था। वहां के स्काउट बच्चों ने खुद को परंपरागत रंग-बिरंगे परिधानों में और अपने टैंट को सजावटी पैटर्न से सजा रखा था। उन्हें बच्चों ने बताया कि हमारे यहां इस पर्व को चार दिन तक मनाते हैं। नए फसल के चावल से पोंगल और खीर बनाकर सूर्य की पूजा करते हैं और गाय, बैलों को खूब सजाकर उनकी भी पूजा करते हैं। तभी सुमित को संगीत की ध्वनि ने आकर्षित किया। देखा तो असम राज्य के बच्चे परंपरागत पोशाकों में संगीत की थाप पर बिहू नृत्य कर रहे थे। धुन इतनी प्यारी थी कि सुमित और मुकेश खुद को उनके साथ नृत्य करने से रोक न सके। उन्होंने वहां बांस और पत्तियों से झोपड़ी मेजी और भेलाघर बनाई थी। वहां मटकी फोड़ने का खेल भी खेला जा रहा था।

पश्चिम बंगाल के बच्चों ने गंगासागर के मेले का दृश्य सजीव किया था। पौष संक्रांति के नाम से मनाए जाने वाले इस पर्व पर खाई जाने वाली मिठाइयां जैसे-खजूर के गुड़, पाटली से बनी मिठाई पुली पिठा सुमित और मुकेश को दी गई। उसे खाकर वे दोनों बहुत खुश हुए। सुमित-मुकेश आगे आए तो मध्य प्रदेश राज्य के बच्चों ने उज्जैन में महिदपुर की डोंगला खगोलीय वेधशाला के माध्यम से सूर्य के उत्तरायण में जाने की गति देखने के बारे में बताया। उन्होंने शिप्रा नदी के तट पर श्रद्धालुओं के स्नान और खिचड़ी, तिल के दान के महत्व का चित्रों द्वारा प्रदर्शन किया। हरियाणा राज्य के बच्चों ने अपने टैंट के आगे आग जलाई थी। जिसके चारों ओर घूमते हुए वे तिल, गुड़, चावल और भुने मक्के की आहुति देकर अग्निदेव की पूजा कर रहे थे और आने वाले दर्शकों को रेवड़ी, मूंगफली और पॉपकार्न बांट रहे थे।

अगला टैंट उत्तर प्रदेश राज्य का था। जहां गंगा के घाटों में लगे मेले, रंग-बिरंगी पतंगें, घी-खिचड़ी, तिल, गुड़ और मूंगफली की बहार थी। वहां इस बार प्रयागराज में होने वाले महाकुंभ मेले को भी प्रमुखता से प्रदर्शित किया गया था। इन प्रदेशों के साथ सुमित और मुकेश को कुछ और प्रदेशों की टैंट में भी वहां की मोहक झांकियां देखने को मिलीं।

सुमित और मुकेश अपने देश की इस बहुरंगी संस्कृति से परिचित होकर बहुत खुश थे। उन्हें सर्दी के अंत और वसंत ऋतु की शुरुआत का यह पर्व मकर संक्रांति अपने लिए वर्ष की शुरुआत का सर्वोत्तम उपहार लगा। *

खिचड़ी का त्योहार

चटनी, पापड़, दही, अचार,
खिचड़ी बनी मसालेदार।
ऊपर से जब डाला घी,
खाने को ललचाया जी।
साथ अगर हो ग्रीन सलाद,
क्या कहने खिचड़ी के स्वाद!
खुश होते खाने के बाद,
कई दिनों तक रहता याद।
खिचड़ी मेल-जोल का पर्व,
इस पर हम सबको है गर्व।
खिचड़ी के दिन करके स्नान,
हम करते हैं इसका दान।
दान-पुण्य से मिलती शांति,
कहते इसे मकर संक्रांति।
खिचड़ी का दिन, नई उमंग,
चलो उड़ाएं आज पतंग।

महाकुंभ की आड़ में ऑनलाइन ठगी

संगम नगरी प्रयागराज में महाकुंभ 2025 की तैयारियां जोरों पर हैं। 13 जनवरी से महाकुंभ का शुभारंभ हो जाएगा। प्रयागराज मेला प्राधिकरण के मुताबिक, 45 दिनों तक चलने वाले इस महाकुंभ में 40 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालुओं के आने की उम्मीद है। महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं ने ठहरने के लिए होटल, धर्मशाला और कुंभ क्षेत्र में बने टेंट सिटी के कॉटेज की ऑनलाइन बुकिंग करनी शुरू कर दी है। हालांकि महाकुंभ को लेकर साइबर क्रिमिनल्स भी एक्टिव हो गए हैं, जो होटल या टेंट सिटी कॉटेज में बुकिंग के नाम पर श्रद्धालुओं को ठगी का शिकार बना रहे हैं। इसे लेकर उत्तर प्रदेश पुलिस ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक वीडियो पोस्ट किया है। इसके जरिए यूपी पुलिस ने श्रद्धालुओं को साइबर फ्रॉड से सतर्कता बरतने के लिए आगाह किया है। श्रद्धालुओं को ठगने के लिए साइबर क्रिमिनल्स फर्जी वेबसाइट्स बना रहे हैं। वे इन वेबसाइट्स पर सस्ते दामों में होटल या कॉटेज की बुकिंग करने का लालच देते हैं। साथ ही श्रद्धालुओं से बुकिंग के लिए एडवांस पेमेंट करने के लिए कहते हैं। सस्ती बुकिंग के लालच में आकर भोले-भाले लोग एडवांस पेमेंट कर देते हैं और स्कैमर्स के जाल में फंस जाते हैं। उत्तर प्रदेश पुलिस ने एक्स (ट्विटर) पर एक शॉर्ट वीडियो शेयर किया है। इसमें एक परिवार वेबसाइट के जरिए ऑनलाइन प्रयागराज महाकुंभ के लिए एडवांस होटल और टैक्सी बुक करता है, लेकिन प्रयागराज पहुंचकर जब वह वेबसाइट पर दिए नंबर पर कॉल करता है तो नंबर बंद आता है। वह किसी तरह होटल के एड्रेस पर पहुंचता है, लेकिन वहां कोई होटल नहीं मिलता। होटल की जगह एक खाली प्लॉट होता है। इस तरह वह फेक वेबसाइट के जाल में फंस जाता है और साइबर ठगी का शिकार हो जाता है। इस वीडियो के जरिए पुलिस ने लोगों से रजिस्टर्ड वेबसाइट से ही होटल बुकिंग करने की अपील की है। कुछ दिन पहले प्रयागराज पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया था। ये लोग फर्जी वेबसाइट के जरिए श्रद्धालुओं को अपना निशाना बना रहे थे। उनसे टेंट सिटी में कॉटेज और शहर में होटल बुकिंग के नाम पर ऑनलाइन ठगी कर रहे थे। उत्तर प्रदेश सरकार और स्थानीय प्रशासन ने प्रयागराज के रजिस्टर्ड होटल, धर्मशाला और गेस्ट हाउस की एक लिस्ट जारी की है। इस लिस्ट में होटल के नाम और एड्रेस के साथ उसका कॉन्टैक्ट नंबर दिया गया है। अगर आप भी महाकुंभ जाने के लिए एडवांस होटल बुकिंग करना चाहते हैं तो पहले इस लिस्ट को जरूर देखें। लिस्ट में दिए फोन नंबर के जरिए ही बुकिंग करें। रजिस्टर्ड होटल की यह लिस्ट महाकुंभ और प्रयागराज जिले की ऑफिशियल वेबसाइट पर मौजूद है। इसके अलावा प्रयागराज पुलिस ने इसे अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर भी शेयर किया है। महाकुंभ मेले में श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए टेंट सिटी बसाई गई है। निगम की वेबसाइट और महाकुंभ एप के जरिए इसमें ठहरने के लिए बुकिंग कर सकते हैं। टेंट सिटी में श्रद्धालुओं को योग और यज्ञ करने की भी सुविधा मिलेगी। साइबर क्रिमिनल्स श्रद्धालुओं और पर्यटकों को फंसाने के लिए फर्जी वेबसाइट्स और सोशल मीडिया विज्ञापनों का सहारा लेते हैं। जब कोई इनके जरिए संपर्क करता है तो साइबर क्रिमिनल्स ऑफर का लालच देकर एडवांस में पेमेंट करा लेते हैं। इसलिए इन फर्जी वेबसाइट्स और सोशल मीडिया विज्ञापनों के झांसे में न आएं। किसी भी वेबसाइट पर विजिट करने से पहले उसके यूआरएल में 'एचटीटीपीएस' (हाइपर टेक्सट ट्रांसफर प्रोटोकॉल सिक्योर) जरूर देखें। यहां 'ह्य' का मतलब सिक्योर होता है। अगर किसी वेबसाइट में सिर्फ एचटीटीपी लिखा है तो उस पर विजिट न करें। इसके अलावा अगर कोई आपको फोन करके सस्ते दामों में रहने-खाने की व्यवस्था का लालच दे तो सावधान हो जाएं। इस नंबर पर महाकुंभ से जुड़ी किसी भी तरह की समस्या होने पर मदद मांग सकते हैं। इसके अलावा साइबर क्राइम का शिकार होने पर नेशनल हेल्पलाइन नंबर 1930 या साइबर क्राइम की ऑफिशियल वेबसाइट पर शिकायत कर सकते हैं।

रंग भरो

गिनकर बताओ

बच्चो, दिए गए चित्र में अलग-अलग कलर्स और डिजाइंस की कई पतंगें दिखाई दे रही हैं। तुम चित्र को ध्यान से देखो और गिनकर बताओ कि इस चित्र में कुल कितनी पतंगें हैं?

चावला अरोड़ा खत्री पंजाबी कम्युनिटी के विधानसभा अध्यक्ष नियुक्त

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। अखिल भारतीय संगठन ऑल इंडिया अरोड़ा खत्री पंजाबी कम्युनिटी के संस्थापक सूर्यवंशी कमल हांडा तथा राष्ट्रीय अध्यक्ष सूर्यवंशी साहिब दयाल वधवा से विचार-विमर्श के पश्चात् राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष सूर्यवंशी रजनेश बहल ने संगठन को और अधिक सक्रिय व मजबूत करने के लिए श्रीगंगानगर जिलाध्यक्ष सूर्यवंशी मनोहरलाल चावला की अनुशंसा पर सूर्यवंशी एडवोकेट अमित चावला को उनकी संगठन के प्रति लग्न, मेहनत, समर्पण एवं कर्मठता को देखते हुए ऑल इंडिया अरोड़ा खत्री पंजाबी कम्युनिटी, विधानसभा सादुलशहर का विधानसभा अध्यक्ष नियुक्त किया है। प्रदेशाध्यक्ष रजनेश बहल ने बताया कि नवनियुक्त सादुलशहर विधानसभा अध्यक्ष सूर्यवंशी एडवोकेट अमित चावला उच्च शिक्षित होने के साथ-साथ बार संघ सादुलशहर के अध्यक्ष का दायित्व बखूबी निभा चुके हैं एवं अरोड़वंश नवयुवक संघ सादुलशहर व लॉयन्स क्लब सादुलशहर के पूर्व सदस्य भी रह चुके हैं तथा सामाजिक सरोकारों में अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं।

नवनियुक्त विधानसभा अध्यक्ष द्वारा विधानसभा सादुलशहर की कार्यकारिणी का गठन राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष से विचार-विमर्श करके किया जाएगा। सूर्यवंशी एडवोकेट अमित चावला ने संगठन के संस्थापक सूर्यवंशी कमल हांडा, राष्ट्रीय अध्यक्ष सूर्यवंशी साहिब दयाल वधवा, राष्ट्रीय महासचिव सूर्यवंशी ज्योति कमल हांडा, राजस्थान प्रदेशाध्यक्ष सूर्यवंशी रजनेश बहल तथा श्रीगंगानगर जिलाध्यक्ष सूर्यवंशी मनोहरलाल चावला का आभार जताते हुए संगठन एवं समाज हित में सक्रियतापूर्वक कार्य करने का विश्वास दिलाया है। ऑल इंडिया अरोड़ा खत्री पंजाबी कम्युनिटी के चिकित्सा प्रकोष्ठ बीकानेर प्रभारी सूर्यवंशी डॉ. हरीश रहेजा पदाधिकारियों व सदस्यों ने खुशी जाहिर की।

नवनियुक्त लोकअभियोजकों ने पदभार ग्रहण किया

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। गुरुवार को नवनियुक्त लोक अभियोजकों ने अतिरिक्त जिला कलक्टर उम्मेदीलाल मीणा के समक्ष औपचारिक रूप से पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर लोक अभियोजक मनोज कुमार, पवन श्रीवास्तव, सुरेन्द्र कुमार शर्मा, सम्पत लाल गुप्ता, प्रताप सिंह शेखावत और सुमन कुमारी ने पद ग्रहण किया। इस नियुक्ति से जिले के अधिवक्ताओं में खुशी का माहौल है और इसे एक सकारात्मक बदलाव के रूप में देखा जा रहा है।

पूर्व बाल कल्याण समिति सदस्य और वरिष्ठ अधिवक्ता जोधा सिंह भाटी ने कहा कि इस बार लोक अभियोजक की नियुक्ति में कुछ समय लगा, लेकिन अब जब यह नियुक्ति हो गई है, तो समस्त अधिवक्ताओं में खुशी की लहर है। उन्होंने यह भी कहा कि इन नवनियुक्त लोक अभियोजकों से उम्मीद की जाती है कि वे अपने पद की गरिमा बनाए रखते हुए अपने कर्तव्यों का पालन करेंगे और न्याय की प्रक्रिया को और प्रभावी बनाएंगे।

नवनियुक्त लोक अभियोजकों की नियुक्तियों की जानकारी देते हुए बताया कि जिला एवं सैशन न्यायालय में सरकारी की ओर से मनोज कुमार को लोक अभियोजक नियुक्त किया गया है। वहीं, एससी एसटी न्यायालय में पवन श्रीवास्तव, एनडीपीएस न्यायालय में सुरेन्द्र कुमार शर्मा, और पोक्सो न्यायालय में सम्पत लाल गुप्ता को लोक अभियोजक के पद पर नियुक्त किया गया है। इसके अतिरिक्त, अधिवक्ता प्रताप सिंह शेखावत को अपर लोक अभियोजक के पद पर नियुक्त किया गया है। सुमन कुमारी को भी लोक अभियोजक और राजकीय अभिभाषक के पद पर नियुक्त किया गया है। इन नियुक्तियों से यह स्पष्ट होता है कि जिला प्रशासन ने प्रत्येक न्यायालय की विशेष आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए इन पात्र व्यक्तियों को चुना है। यह नियुक्ति जिले में न्याय की प्रक्रिया को और अधिक सुदृढ़ और पारदर्शी बनाने में सहायक सिद्ध होगी। न्यायालयों में अभियोजन पक्ष की सशक्त पैरवी के साथ ही इन अभियोजकों की नियुक्ति से आम जनता को भी न्याय प्राप्ति में सहूलियत होगी।

ऐतिहासिक व यादगार होगा श्री श्याम रजत महोत्सव

आठ से 12 फरवरी तक मनाया जाएगा

जनमार्ग न्यूज

रावतसर। स्थानीय श्री श्याम नवयुवक मंडल ट्रस्ट रजि. रावतसर अपनी स्थापना के पच्चीसवें रजत वर्ष महोत्सव पर आयोजित कार्यक्रम को यादगार, ऐतिहासिक बनाने के लिए तैयारियां ज़ोर शोर से शूरू कर दी हैं। आठ फरवरी से शुरू होने वाले इस कार्यक्रम में घर घर जाकर ध्वज यात्रा के लिए आमंत्रित किया जा रहा हैं *ग्यारह सो ग्यारह* महिलाएं बाबा श्याम प्रभु का हाथों में निशान ध्वजा यात्रा उठाए श्री रामलीला ग्राउंड से यह यात्रा शुरू होगी जो शहर के मुख्य=मुख्य मार्गो से होते हुए बाबा श्री श्याम मंदिर पहुंचेगी यह ध्वज यात्रा आठ फरवरी को सुबह सवा नौ बजे प्रारंभ होगी

9फरवरी को श्री श्याम मंदिर में श्री श्याम अखंड ज्योति पाठ 10.15बजे से शुरू होगा जिसका वाचन नरेश शर्मा विशाखापट्टनम करेंगे। 10फरवरी को भव्य शोभा यात्रा सुबह 10.15बजे से श्री श्याम मंदिर से शुरू होकर मुख्य मुख्य मार्गो से होते हुए वापस श्री श्याम मंदिर पहुंचेगी। रात्रि संकीर्तन रात्रि सवा नौ बजे से शुरु लव अग्रवाल कोलकाता करेंगे। 11फरवरी की रात्रि को विराट भजन संध्या में बाबा श्याम प्रभु के भजन सम्राट संजय मित्तल कोलकाता, अभिषेक नाभा, सौरभ शर्मा जयपुर , तृप्ति लड्ढा लुधियाना बाबा श्याम प्रभु के भजनों से श्याम भक्तों को रिजाएगे रजत वर्ष महोत्सव में आकर्षक झाकियां भी सजाई जायेगी और सूरजगढ़ बाबा श्याम प्रभु का निशान मुख्य आकर्षक देखने लायक होगे सभी कार्यो की तैयारियां बड़े पैमाने पर की जा रही है सभी श्याम भक्तों में रजत वर्ष महोत्सव को लेकर भारी जोश व उत्साह देखा जा रहा है इस कार्यक्रम को देखने के लिए रावतसरके साथ साथ बंगलौर, दिल्ली, सूरत,एलनाबाद, नोहर, भादरा, हनुमानगढ़, पीलीबंगा आदि क्षेतरो से लोग यहां पहुंचेगे गरबा, डांडिया गुजरात व डोल शहनाई , बैंड आदि भी रजत वर्ष महोत्सव में शामिल होगे 11 फरवरी को महा भोग मंगलवार सुबह 11ः15 बजे लगाया जाएगा 12 फरवरी को सुबह 7ः15 बजे हवन=और 12ः00 बजे भंडारा का प्रसाद वितरित किया जाएगा

महाकुंभ मेले के लिए श्रीगंगानगर से प्रयागराज स्पेशल ट्रेन चलाने की मांग

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। भारतीय जनता युवा मोर्चा आईटी सेल जिला संयोजक पं. भीष्म देव लाटा शास्त्री ने जन-जन की आस्था का प्रतीक तीर्थराज प्रयागराज में आयोजित महाकुम्भ मेला-2025 के लिए श्रीगंगानगर से स्पेशल ट्रेन चलाने की मांग की है। पं. भीष्म देव लाटा शास्त्री ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को भेजे पत्र में लिखा है कि महाकुम्भ मेला 13 जनवरी से 26 फरवरी, 2025 तक तीर्थराज प्रयागराज में आयोजित होने जा रहा है, जो कि हिन्दुओं का एक मुख्य पर्व है तथा इसका अत्यंत धार्मिक महत्व है। पूरे भारतवर्ष से महाकुंभ मेले में 40 करोड़ से अधिक श्रद्धालु शामिल होंगे तथा श्रीगंगानगर जिले से भी हजारों की संख्या में नर-नारी भक्तजन भाग लेंगे। लेकिन श्रीगंगानगर से प्रयागराज के लिए स्पेशल ट्रेन नहीं होने से महिलाओं, पुरुषों, बच्चों व बुजुर्गों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है तथा उन्हें बार-बार ट्रेन बदलकर प्रयागराज पहुंचना पड़ेगा, इससे अनेक श्रद्धालु महाकुम्भ स्नान से वंचित रह जाएंगे। इसलिए श्रद्धालुओं की आस्था को देखते हुए अविलम्ब श्रीगंगानगर से प्रयागराज तक महाकुम्भ मेला-2025 स्पेशल ट्रेन चलाई जाए, ताकि श्रीगंगानगर के साथ-साथ हनुमानगढ़ जिले व आसपास के जिले के हजारों लोग लाभान्वित हो सकें तथा महाकुंभ मेले में श्रद्धापूर्वक शामिल होकर महाकुंभ स्नान का पुण्य प्राप्त प्राप्त कर सकें।

राबाउमावि की दीवार का किरयाना यूनियन ने निर्माण करवाया

गजसिंहपुर । कस्बे के राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय की दीवार काफी समय से टूटी हुई थी जिससे छात्राओं की पढाई में बाधा उत्पन्न हो रही थी। इस टूटी दीवार से निराश्रित पशु भी विद्यालय के अंदर प्रवेश कर जाते थें। इस विद्यालय की छात्राओं के भविष्य को देखते हुए किरयाना यूनियन के द्वारा दीवार को बनवाया गया है वहीं दीवार बनने से छात्राओं को राहत मिली है। आपको बता दे कि जैसे ही किरयाना यूनियन को छात्राओं की पीड़ा को देखा और तुरंत टूटी हुई दीवार को बनवाया वहीं विद्यालय परिवार के द्वारा किरयाना कमेटी गजसिंहपुर अध्यक्ष शिव चंद काठपाल , पवन बजाज उपाध्यक्ष सहित समस्त मेंबरो का आभार व्यक्त किया है विद्यालय के प्रधानाचार्य रंजना कुमारी ने बताया कि 21000 के सहयोग के द्वारा टूटी हुई दीवार बनवाकर विद्यालय का सहयोग किया है।

श्रीमद् भागवत पुराण का साप्ताहिक पाठ का शुभारंभ

चूनावढ। कस्बे में बाबा तेज गिरी महाराज की कुटिया पर मकर संक्रांति की उपलक्ष में श्रीमद् भागवत पुराण का साप्ताहिक पाठ का शुभारंभ पंडित गौरी शंकर शर्मा ने विधिवत रूप से किया जिसका भोग 14 जनवरी मकर संक्रांति पर पड़ेगा इस अवसर पर लोक गायक कलाकार गुरुओं की महिमा का गुणगान करेंगे इस अवसर पर पंडित गौरी शंकर जगदीश सोनी राजेश मिढा, काली खुराना सतीश

गिदड मदन गुंबर मदन मुजराल जोधेवाला पंडित लिखी शर्मा जोधेवाला व समस्त गांव वासी मौजूद थे तत्पश्चात गुरु का अटूट लंगर बरतेगा।

नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर कैम्प

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नंबर 2, पुराना अस्पताल, श्रीगंगानगर के तत्वावधान में गुरुद्वारा भाई लालो जी दुःख निवारण साहिब सरकारी हॉस्पिटल के पीछे (सहयोग नगर) वॉर्ड नंबर 28 में आउटरीच कैंप के तहत निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर कैम्प का सुबह 9.30 से 12.30 तक लगाया गया। आशीष कुमार शर्मा ने बताया कि इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर कैम्प में विशेष तौर पर डॉ. रिया सिडाना, आरती शर्मा, सुनील शर्मा, जी.एन.एम. सतपाल, फार्मासिस्ट एल.टी.शर्मा, सहित पूरी टीम ने सेवाएं दी। इस निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर में लगभग 40 से ज्यादा लोग लाभान्वित हुए।

विधार्थियो को स्वेटर व ट्रैक सूट वितरण

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। रोटरी क्लब, श्री गंगानगर डायनमिक व हमजरिया एनजीओ के सयुक्त तत्वाधान मे सर्दी के मौसम को देखते हुए राजकीय वरिष्ठ उपाध्याय संस्कृत विद्यालय 7 ई छोटी में विद्यार्थियों के लिए स्वेटर व ट्रैक सूट वितरित किये। इस कार्यक्रम में रोटरी क्लब डायनमिक की सचिव सुनीता सिहाग, कोषाध्यक्ष डॉली अग्रवाल व श्रीमति ज्योति और हमजरिया एनजीओ की अध्यक्षा डॉ भावना स्वामी उपस्थित थे, विद्यालय मे कुल 170 विद्यार्थियों को स्वेटर व ट्रैक सूट वितरित किये गये। गांव के सरपंच महोदय व विद्यालय के किशोर शर्मा व स्टाफ ने

क्लब के इस कार्यक्रम की भरपुर सहारना की। रोटरी क्लब अध्यक्षा डॉ रजनी अग्रवाल ने कार्यक्रम को सफल बनाने मे सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

आता हूं दरबार , हर ग्यारस पर, मिलती है, तनख्वाह मुझे बारस पर...

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। सिद्ध धाम श्रीखाटूश्याम श्याम धाम मंदिर , सुदामानगर में तीन दिवसीय श्रीश्याम पुत्रदा एकादशी मेला आज प्रारंभ हो गया। मंदिर के मुख्य सेवादार संदीप शेरेवाला ने बताया कि प्रातः काल से ही श्याम श्रद्धालुओं का आना प्रारंभ हो गया । शेरेवाला ने बताया कि आज पुत्रदा एकादशी के उपलक्ष में बाबा श्याम का श्रृंगार रंग बिरंगे कोलकाता के फूलो किया गया। जो कि बडा ही अद्भभुत लग रहा था। मंदिर प्रांगण में पधारे श्याम प्रेमीयो ने श्याम बाबा की जयकार से मंदिर प्रांगण को गूंजायमान हो गया। शेरेवाला ने बताया कि जो भी मंदिर प्रांगण में रंग-बिरंगे लाइटों को देख रहा है, वह मानो स्वर्ग का सा एहसास महसूस कर रहा है। पौष सुदी की इस एकादशी का श्याम श्रद्धालुओं का उत्साह चरम पर है। विभिन्न प्रकार के भोगकी व्यवस्था भी मंदिर प्रांगण में सेवादारों द्वारा की गयी है। आज ग्यारस को प्रातः काल से ही श्याम ध्वजा यात्राएं आनी मंदिर प्रांगण में प्रारंभ हो गयी । पूरे मेले के दौरान हजारों ध्वजाएं मंदिर प्रांगण में श्रद्धालु अपने हाथों में लेकर पहुंचते हैं। मंदिर प्रांगण पहुंचने के पश्चात इन ध्वजा वाहको का स्वागत व अभिनंदन श्याम श्रद्धालुओ द्वारा किया गया। इस अवसर पर विभिन्न प्रकार के भोग बाबा को लगा कर आए हुए श्रद्धालुओं में वितरित किए गए। के के शर्मा के नेतृत्व मे भजनो का आयोजन प्रारंभ हो गया है। पूरे दिनभर भजन कीर्तन का कार्यक्रम रहेगा । रात्रि 7 बजे से विशाल भजन संध्या प्रारंभ होगी, जिसमें शहर के सभी प्रमुख भजन प्रवाहक पवन चलाना , संजय मित्तल, के के शर्मा, विक्की शर्मा,लविश चुग, विशाल सोडा, दीपांशु शर्मा व अन्य द्वारा बाबा श्याम को भजन सुनाकर रिझाया जाएगा । कल शनिवार बारस के दिन प्रातःकाल 8ः15 बजे विनोबा बस्ती स्थित, दुर्गा मंदिर मार्केट से अजय राधे-राधे के संयोजन में विशाल राम रथ यात्रा व ध्वजा यात्रा प्रारंभ होगी।

बायो एनर्जी प्लांट निर्माण को लेकर फैली शंकाओं को लेकर दी जानकारियां

जनमार्ग न्यूज

सूरतगढ़। रिलायंस बायो एनर्जी प्लांट निर्माण को लेकर शहर में चल रहे विरोध प्रदर्शन व लोगों में फैली शंकाओं को लेकर प्रोजेक्ट मैनेजर मनीष गुजराती ने दी अहम जानकारियां। प्रोजेक्ट मैनेजर मनीष गुजराती, मैनेजर देवेंद्र सिंह शेखावत, जयपुर के मैनेजर यश चतुर्वेदी ने उपस्थित लोगों को जानकारी देते हुए बताया कि रिलायंस बायो एनर्जी प्लांट पूरी तरह से सुरक्षा के मापदंडों के अनुसार अत्याधुनिक तकनीकों से निर्मित किया जा रहा है। निर्माण से संबंधित सभी स्वीकृतियों के बाद निर्माण शुरू किया गया है। बायो एनर्जी प्लांट में जयपुर जैसी कोई खतरनाक दुर्घटना की आशंका बिल्कुल नहीं रहेगी। आसपास की कॉलोनी में बदबू की जो संभावना जताई जा रही है ऐसा कुछ भी नहीं होगा। यहा डोम्स के अंदर ही लगभग सभी प्रक्रियाओं को किया जाएगा। सारा सिस्टम पाइपलाइन के जरिए

बायोगैस ट्रकों में लोड कर भेजी जाएगी। यातायात व्यवस्था को ध्यान में रखते हुए सड़क के पास में कंपनी की जगह पर सर्विस सड़क का निर्माण करवाया जाएगा। निर्माण कार्य के लिए सभी तरह की सुरक्षा को ध्यान में रखकर स्वीकृतियां ली जा चुकी है। इसके बावजूद भी किसी को शिकायत हो या भ्रांति हो तो वह प्लांट में आकर जानकारी ले सकता है।

इस दौरान पूर्व विधायक अशोक नागपाल ने कहा पेट्रोल पंप सहित छोटे उद्योगों के लिए एनजीटी परमिशन नहीं देती लेकिन इतने बड़े प्लांट को परमिशन दी गई है इसमें संदेह है। आसपास की कॉलोनी को खतरा होने के साथ रेलवे लाइन पर ट्रेन को भी खतरा हो सकता है। पुराना मोटर मार्केट एसोसिएशन के पंकज शर्मा, समाजसेवी पवन छाबड़ा, पेंशनर समाज के अध्यक्ष धर्मवीर शर्मा, आनंद विहार संगम विहार वसंत विहार कॉलोनी के अध्यक्ष राजेश चड्ढा, अशोक आहूजा, पूर्व पार्षद भारतभूषण शर्मा, पूर्व पार्षद संदीप सैनी, पार्षद प्रतिनिधि राजगीरी, सीताराम शर्मा, सहित ने रिलायंस बायो एनर्जी प्लांट निर्माण कार्य पर सवाल खड़े करते हुए विचार रखें। मैनेजर मनीष गुजराती में सभी का आभार प्रकट करते हुए प्लांट के निर्माण कार्य का निरीक्षण करवाया ।

संगीतमय सुंदरकांड महापाठ एवं भजन वर्षा का रविवार को

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। लॉयन्स क्लब श्रीगंगानगर सनराईज द्वारा श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या धाम में राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ तथा नववर्ष बालाजी के साथ कार्यक्रम के तहत 12 जनवरी, रविवार को प्रातः 10 बजे श्रीगंगानगर के निकटवर्ती मिर्जेवाला रोड 3 आरबी स्थित गो महल गौशाला में आयोजित संगीतमय सुंदरकांड महापाठ एवं भजन वर्षा कार्यक्रम की तैयारियां अंतिम चरण में है। इस कार्यक्रम को लेकर लॉयन्स क्लब पदाधिकारियों व सदस्यों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। तथा सफल आयोजन के लिए अध्यक्ष लॉयन नितिन खारीवाल, सचिव लॉयन योगेश मंगल, कोषाध्यक्ष लॉयन आशीष गर्ग, कार्यक्रम संयोजक लॉयन सुधांशु बंसल व लॉयन विपिन गुप्ता सहित समस्त पदाधिकारी व सदस्य उत्साहपूर्वक व्यवस्थाओं में जुटे हुए हैं। अध्यक्ष नितिन खारीवाल ने बताया कि इस कार्यक्रम में श्री बालाजी संगीतमय सुन्दरकाण्ड मण्डल के सुन्दरकाण्ड गायक अनिल अग्रवाल भजनों द्वारा भगवान श्रीराम तथा बालाजी महाराज की महिमा का गुणगान करेंगे।

जैन स्कूल के छात्र-छात्राएं विवेकानंद जयंती पर आयोजित

साइक्लिंग एंड मैराथन रेस में होंगे शामिल

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। युवाओं के प्रेरणास्रोत स्वामी विवेकानंद की जयंती पर 12 जनवरी को विश्व युवा दिवस पर इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) एवं टूर डी गंगानगर टीम द्वारा आयोजित साइक्लिंग एंड मैराथन रेस में श्री आत्म वल्लभ जैन पब्लिक सीनियर सैकेण्डरी स्कूल, श्रीगंगानगर के छात्र-छात्राएं शामिल होंगे। विद्यालय प्रिंसिपल श्रीमती ममता अरोड़ा जैन ने बताया कि 12 जनवरी, रविवार को सुबह 7.30 बजे मानव स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए आयोजित साइक्लिंग एंड मैराथन रेस बाबा रामदेव मंदिर, सूरतगढ़ रोड के सामने स्थित बालाजी एस्टेट से आरंभ होगी तथा शिव चौक, चहल चौक, मीरा चौक, सुखाड़िया सर्किल होते हुए वापस बालाजी एस्टेट पहुंचकर सम्पन्न होगी। इस मैराथन को लेकर जैन स्कूल के विद्यार्थियों में भारी उत्साह देखने को मिल रहा है। विद्यार्थियों के साथ-साथ शहरवासी साईकिल पर अथवा पैदल भाग ले सकते हैं तथा स्वास्थ्य की अलख जगाने में अपना योगदान दे सकते हैं। इस मौके पर विद्वान वक्ताओं द्वारा स्वामी विवेकानंद के जीवन दर्शन पर प्रकाश भी डाला जाएगा। उन्होंने विद्यार्थियों, युवाओं एवं शहरवासियों से स्वामी विवेकानंद की जयंती विश्व युवा दिवस पर 12 जनवरी, रविवार को सुबह 7.30 बजे बाबा रामदेव मंदिर, सूरतगढ़ रोड के सामने स्थित बालाजी एस्टेट से प्रारम्भ साइक्लिंग एंड मैराथन रेस में उत्साहपूर्वक अधिकाधिक संख्या में भाग लेकर स्वामी विवेकानंद के विचारों को आत्मसात करने का आह्वान किया है।

अफीम के साथ 2 तस्कर गिरफ्तार

जनमार्ग न्यूज

चूरू। चूरू जिले की तारानगर पुलिस ने नाकाबंदी के दौरान 500 ग्राम अफीम जब्त की है। पुलिस ने मौके से 2 तस्करों को गिरफ्तार किया है। अफीम कच्चे पपीतों से भरे ट्रक में छिपाकर ले जाई जा रही थी। जब्त की गई अफीम की कीमत करीब एक लाख रुपए बताई जा रही है। तारानगर थानाधिकारी गौरव खिड़या ने बताया कि अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जा रहा है। नाकाबंदी के दौरान पुलिस ने ट्रक की तलाशी ली। कच्चे पपीतों से भरे ट्रक में 500 ग्राम अफीम मिली।

परिवारों को बर्बाद कर रहा है नशा: उम्मेदीलाल

वार्ड नंबर 12 में मानस अभियान के तहत नशा मुक्ति कार्यक्रम, 50 लोगों का सम्मान

01

हनुमानगढ़। जिला मुख्यालय स्थित वार्ड नंबर 12 में जिला कलक्टर कानाराम के निर्देशन में चल रहे मानस अभियान के तहत नशा मुक्ति कार्यक्रम हुआ। मुख्य अतिथि अतिरिक्त जिला कलक्टर व नगरपरिषद के प्रशासक उम्मेदीलाल मीणा थे। अध्यक्षता की शिक्षाविद् भगवानदास गुप्ता ने। विशिष्ट अतिथि के तौर पर नगरपरिषद आयुक्त सुरेंद्र यादव, बाल कल्याण समिति सदस्य विजय सिंह चौहान, समाजिक समरस्ता मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामप्रताप भाट उर्फ प्रकाशनाथ, कृषि उपज मंडी समिति के पूर्व चेयरमैन रामेश्वर चांवरिया, डीसीसी महासचिव मनोज बड़सीवाल, सरपंच प्रतिनिधि रतन धवल ने शिरकत की। कार्यक्रम में पार्षद तरुण विजय ने भी शिरकत की।

एडीएम उम्मेदीलाल मीणा ने कहाकि नशा न सिर्फ व्यक्ति, परिवार व समाज बल्कि देश को भी कमजोर कर रहा है। हमारा संविधान हमें श्रेष्ठ नागरिक बनने की प्रेरणा देता है। श्रेष्ठ नागरिक न सिर्फ स्वयं के व्यक्तित्व का निर्माण कर परिवार व समाज के लिए अनुकरणीय होते हैं बल्कि देश को उन पर गर्व होता है। हम सबको चाहिए कि नशे के दुष्परिणामों से सीखकर खुद, पारिवारिक सदस्यों व समाज को इससे मुक्त रखने का प्रयास करें। एडीएम ने कहाकि कई बार कुसंगति में पढ़कर लोग नशे के दलदल में फंस जाते हैं और उन्हें लगता है कि अब बाहर निकलना संभव नहीं। लेकिन ऐसा नहीं है। दृढ़ इच्छा शक्ति व प्रयासों से नशे से मुक्त होना संभव है।

नगरपरिषद आयुक्त सुरेंद्र यादव ने कहाकि कलक्टर के निर्देशन में मानस अभियान का संचालन हो रहा है। इसमें जन सहभागिता जरूरी है। उन्होंने नागरिकों से आग्रह किया कि वे इस समस्या की गंभीरता को समझें और नशा मुक्त समाज बनाने में अपना योगदान दें।

शिक्षाविद् भगवानदास गुप्ता ने कहाकि अशिक्षा से बड़ा अभिशाप कुछ भी नहीं। अज्ञानता की वजह से लोग नशे के दलदल में फंस जाते हैं और अधिकांश लोग इससे बाहर नहीं निकल पाते। इसलिए अच्छे लोगों के साथ संगत जरूरी है। उन्होंने कहाकि भट्ठा कॉलोनी में जब 54 साल पहले स्कूल खोला तो यहां का माहौल अलग था। पांच दशक का अनुभव है कि शिक्षा की वजह से आज इतना बड़ा बदलाव हुआ है।

पार्षद तरुण विजय ने कहाकि वार्ड में नशा मुक्ति को लेकर खूब कार्यक्रम हुए हैं। बेहतर काम करने वालों को सम्मानित किया गया है। इससे बाकी लोगो को भी प्रेरणा मिलेगी। जब समाज में अनैतिक लोगों की चर्चा अधिक होती है तो इससे बुराई को और प्रश्रय मिलता है इसलिए जरूरी है कि अच्छे लोगों की ज्यादा चर्चा हो और समाज उनका आदर करे, सम्मान दे ताकि बाकी को भी प्रेरणा मिलेगी। तरुण विजय ने कलक्टर कानाराम के प्रयासों की सराहना करते हुए कहाकि मानस अभियान में सबको बढ़ चढ़ कर भाग लेने की जरूरत है। बाल कल्याण समिति के सदस्य विजय सिंह चौहान ने मानस अभियान को बेहतर बताते हुए कहाकि इससे युवाओं में नशे के खिलाफ माहौल विकसित हुआ है। नई पीढ़ी को नशे से मुक्त रखने में यह अभियान कारगर साबित होगा।

कृषि उपज मंडी समिति के पूर्व अध्यक्ष रामेश्वर चांवरिया ने कहाकि पार्षद तरुण विजय के प्रयासों से वार्ड नंबर 12 में माहौल बदला है। तरुण विजय के पिता भगवानदास गुप्ता को शिक्षा संत कहा जाता है क्योंकि इन्होंने पांच दशक पहले इस कच्ची बस्ती में स्कूल खोलकर बच्चों को पढ़ाना शुरू किया। शिक्षा को लेकर ऐसा समर्पित व्यक्ति कम ही दिखाई दे।

पार्षद प्रतिनिधि मनोज बड़सीवाल ने भी नशे के खिलाफ कलक्टर के प्रयासों की सराहना की और एडीएम उम्मेदीलाल मीणा की कार्यशैली को मुक्तकंठ से सराहा। उन्होंने कहाकि शहर में सकारात्मक माहौल विकसित कर हम नशे की बुराई को खत्म कर सकते हैं। सरपंच प्रतिनिधि रतन धवल ने कहाकि तरुण विजय बहुआयामी व्यक्तित्व के मालिक हैं। इनकी व्यवहारकुशलता से हर किसी को सीखने का अवसर मिलता है। अपने वार्ड ही नहीं बल्कि हनुमानगढ़ जिले में इनकी अलग ही छवि है। इस तरह के कार्यक्रमों से अच्छाई को पनपने का मौका मिलता है। कार्यक्रम में करीब 50 लोगों को सम्मानित किया गया।

ग्राम ढालिया में विद्यालय को कमोन्नत करने और खेल मैदान हेतु भूमि आवंटन का ज्ञापन

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। ढालिया एज्युकेशन एवेयरनेस सोसायटी द्वारा गुरुवार को जिला कलक्टर को ग्राम ढालिया के राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय को कमोन्नत करने के संबंध में ज्ञापन सौंपा गया। इस ज्ञापन में सोसायटी ने जिला कलक्टर से निवेदन किया है कि ग्राम ढालिया स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय को कमोन्नत कर कक्षा 12 तक का विद्यालय बनाया जाए, ताकि यहां के बच्चों को उच्च स्तर की शिक्षा प्राप्त हो सके।

ज्ञापन में बताया गया कि ग्राम ढालिया स्थित राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय में कक्षा 8 तक की शिक्षा प्रदान की जाती है, जिसमें कुल 160 विद्यार्थी पढ़ाई कर रहे हैं। लेकिन जब इन विद्यार्थियों को कक्षा 8 की परीक्षा पास करने के बाद आगे की शिक्षा प्राप्त करनी होती है, तो उन्हें अन्य गांवों या शहरों में जाना पड़ता है। इससे विशेषकर लड़कियों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है, क्योंकि उन्हें दूर-दूर जाकर पढ़ाई करनी पड़ती है या फिर कई बार यह पढ़ाई बीच में ही छोड़नी पड़ती है। परिणामस्वरूप, बच्चों को उच्च शिक्षा की कमी के कारण उनका भविष्य अंधकारमय हो जाता है।

सोसायटी ने यह भी बताया कि ग्राम ढालिया में खेलकूद के लिए कोई विशेष खेल मैदान नहीं है। इससे बच्चों में खेलों के प्रति रुचि कम होती जा रही है और नशे की ओर उनका झुकाव बढ़ता जा रहा है। बच्चों का मानसिक और शारीरिक विकास न होने के कारण वे नकारात्मक आदतों की ओर आकर्षित हो रहे हैं। इस परिस्थिति को सुधारने के लिए एक खेल मैदान की आवश्यकता है, ताकि बच्चों में खेलकूद की भावना जागृत हो सके और वे सकारात्मक दिशा में बढ़ सकें।

ज्ञापन में श्रीमान जिला कलक्टर से निवेदन किया गया कि ग्राम ढालिया में विद्यालय को कमोन्नत करने और खेल मैदान के लिए भूमि आवंटित करने के आदेश दिए जाएं। इससे बच्चों को उच्च शिक्षा की बेहतर सुविधा मिलेगी और उनका समग्र विकास हो सकेगा। ज्ञापन में यह भी कहा गया कि इस कदम से न केवल शिक्षा का स्तर ऊंचा होगा, बल्कि बच्चों में शारीरिक विकास भी होगा, जो उनकी मानसिक स्थिति को सुधारने में सहायक सिद्ध होगा।

इस मौके पर जिला परिषद डायरेक्टर मनीष मक्कासर, गुरबख्श ढिल्लो सतीपुरा, मकसूद, सुखप्रीत, गुलामनबी, अब्दुल गफ्फार, भट्टी, बुधराम, परवेश, गुलशेर, इसशद, हजारा मौजूद थे।

अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा राजन को एम्स में करवाया गया भर्ती

नई दिल्ली। तिहाड़ जेल में बंद अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा राजन को दिल्ली के एम्स अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। सूत्रों की मानें तो छोटा राजन के नाक का ऑपरेशन होना है इसलिए उसे एम्स लाया गया है। जिस वॉर्ड में उसे भर्ती किया गया है वहां पर सुरक्षा को बढ़ा दिया गया है।

तिहाड़ में बंद है छोटा राजन

एक विशेष अदालत ने गैंगस्टर छोटा राजन को होटल बिजनेसमैन जय शेट्टी की 2001 में हुई हत्या के मामले में उम्रकैद की सजा सुनाई है। न्यायाधीश एएम पाटिल ने राजन को भारतीय दंड संहिता और महाराष्ट्र संगठित अपराध नियंत्रण अधिनियम के तहत दोषी पाया। बता दें कि शेट्टी गामदेवी स्थित गोल्डन क्राउन होटल के मालिक थे और उन्हें रंगदारी न देने पर छोटा राजन गिरोह ने मार डाला था। बता दें कि बॉम्बे हाईकोर्ट ने पिछले साल सितंबर में जया शेट्टी की हत्या के मामले में गैंगस्टर छोटा राजन की आजीवन कारावास की सजा को सस्पेंड कर दिया था और उसे उस मामले में जमानत दे दी थी। हालांकि उसके बाद भी वो जेल में बंद है। दरअसल छोटा राजन पर कई मामले दर्ज हैं। इसलिए वो अभी भी अन्य मामलों की वजह से तिहाड़ में बंद है। अंडरवर्ल्ड डॉन छोटा राजन का असली नाम राजेन्द्र सदाशिव निकालजे है। उसका जन्म मुंबई के चेम्बूर इलाके में हुआ था और उसने अपने क्राइम के दौर की शुरुआत सिनेमा टिकटों की कालाबाजारी से की थी। छोटा राजन ने 1980 के दशक में बड़ा राजन और हैदराबाद के यादगिरी के साथ मिलकर काम करना शुरू किया। उसके बाद वो दाऊद इब्राहीम के साथ जुड़ गए और उसका राइट हैंड बन गया। 1993 में मुंबई बम धमाकों के बाद,छोटा राजन और दाऊद के बीच दरार पड़ गई और उन्होंने अपनी खुद की गैंग बना ली। बता दें कि छोटा राजन पर हत्या, धोखाधड़ी, स्मगलिंग, ड्रग ट्रैफिकिंग और फिल्म फाइनेंसिंग के कई मामले दर्ज हैं। छोटा राजन को साल 2015 में इंडोनेशिया के बाली में गिरफ्तार किया गया था।

नर्सेज, एएनएम, और आशा सहयोगिनी का आवासीय प्रशिक्षण दूसरे दिन जारी

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़ । गुरूवार को आयुष्मान आरोग्य मन्दिर से संबंधित नर्सेज, एएनएम, और आशा सहयोगिनी के आवासीय प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। दूसरे दिन प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ सहायक निदेशक डॉ. महावीर प्रसाद ने भगवान धन्वन्तरि की पूजा अर्चना करके किया। इस अवसर पर चिकित्सा क्षेत्र से जुड़ी प्रमुख हस्तियों का उपस्थित रहना, स्वास्थ्य प्रणाली को सशक्त बनाने का संकल्प दर्शाता है। प्रशिक्षण के दूसरे दिन प्रमुख विशेषज्ञों द्वारा व्याख्यानों का आयोजन किया गया। डॉ. राजन सेतिया, डॉ. दिप्ती सिंगला, डॉ. आशा यादव और डॉ. संदीप कुमार ने इस अवसर पर विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर जानकारी दी। इन विशेषज्ञों ने प्रतिभागियों को प्रकृति परीक्षण और फैमिली फोल्डर की पूर्ति से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियाँ दीं। प्रकृति परीक्षण से संबंधित व्याख्यान में विशेषज्ञों ने बताया कि यह परीक्षण स्वास्थ्य संबंधी विभिन्न पहलुओं

का मूल्यांकन करने के लिए आवश्यक होता है। इसके माध्यम से विभिन्न रोगों की पहचान जल्दी की जा सकती है और उनके उपचार के लिए कदम उठाए जा सकते हैं। डॉक्टरों ने इसे सही समय पर स्वास्थ्य जांच करने का एक प्रभावी तरीका बताया। वहीं, फैमिली फोल्डर के बारे में जानकारी देते हुए डॉ. सिंगला ने बताया कि यह एक महत्वपूर्ण दस्तावेढ़ है, जिसमें परिवार के प्रत्येक सदस्य के स्वास्थ्य का पूरा विवरण दर्ज होता है। इस फोल्डर की पूर्ति स्वास्थ्य सेवाओं के गुणवत्ता को बेहतर बनाने में मदद करती है, साथ ही यह स्वास्थ्य के क्षेत्र में काम करने वालों के लिए एक प्रभावी औजार साबित हो सकती है। कार्यक्रम में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली नर्सेज, एएनएम, और आशा सहयोगिनी ने इन व्याख्यानों से काफी जानकारी प्राप्त की और स्वास्थ्य सेवा में सुधार के लिए अपने कौशल को और बेहतर बनाने का संकल्प लिया। प्रशिक्षण के इस सत्र ने यह साबित कर दिया कि जब तक स्वास्थ्य कार्यकर्ता अपनी जानकारी को अपडेट और सशक्त नहीं करेंगे, तब तक प्रभावी स्वास्थ्य सेवा की उम्मीद नहीं की जा सकती। इस तरह के आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम न केवल कार्यकर्ताओं की जानकारी को बढ़ाते हैं, बल्कि समुदाय के स्वास्थ्य को भी मजबूत करते हैं।

आयुष्मान आरोग्य मन्दिर की इस पहल से क्षेत्रीय स्वास्थ्य सेवाओं को एक नई दिशा मिल सकती है और आने वाले समय में इसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिल सकते हैं। विभाग के परिचारक सुभाष शर्मा, मनीष, सुखदेव, रिकू, आदि अपनी सेवाएं दे रहे है। प्रशिक्षण में एएनएम सुमन, प्रर्मिला, कविता, सुमन कटारिया, चन्दूलाल, प्रहलादराय, बलवीर सिंह, आशा सहयोगिनी सरोज बाला, रेणू, वंदना, कुलविन्द्र कौर, पाल कौर, किरण निर्मला, कलावंती मौजूद रहे। उक्त प्रशिक्षण में आयुर्वेद विभाग से संबंधित तृतीय चरण के 25 आयुर्वेद औषधालयों के अरोग्य आयुष्मान मन्दिर से संबंधित अनूपशहर, अरायावाली, भूरानपूरा, भौमपूरा, धौलीपाल, किशनपुरा, नौरगदेसर, रिडीयासर, बड़ोपल, प्रेमपूरा, अयालकी, खोड़ा, रावतसर, बरवाली, दलपतपूरा, थालड़का, ढण्ढेला, शेरड़ा, मल्लड़खेड़ा, जोगवाला, मिर्जावाली मेर, चाहूवाली, रामपूरा, हिरणावाली, मोहनमगरिया से संबंधित रहे।

हिंदी हमारी राष्ट्रीय भाषा नहीं... रविचंद्रन अश्विन का 25 सेकंड का वीडियो वायरल, बड़े विवाद को दी हवा!

नई दिल्ली (जनमार्ग न्यूज)। भारत ऐसा देश है, जहां हर प्रदेश में अलग-अलग भाषा का इस्तेमाल किया जाता है। हिंदी और इंग्लिश ऐसी भाषाएं हैं, जो सभी को जोड़ने का काम करती हैं। हालांकि, इंग्लिश मेट्रो शहरों तक ही सीमित है। हिंदी राष्ट्रीय भाषा है या नहीं इस पर अक्सर विवाद होता रहा है। अब भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें उन्होंने भाषा के इस विवाद को हवा दे दी है। एक इवेंट के दौरान अश्विन ने कहा है कि हिंदी हमारी राष्ट्रीय भाषा नहीं बल्कि आधिकारिक भाषा है। यह एक ऐसी टिप्पणी है जो बहस को जन्म दे सकती है। अश्विन ने यह बयान तमिलनाडु के एक निजी इंजीनियरिंग कॉलेज समारोह में दिया। कॉलेज में स्टूडेंट्स को संबोधित करते हुए अश्विन ने पूछा कि क्या यहां उपस्थित लोग हिंदी में प्रश्न पूछने के लिए तैयार हैं, यदि वे अंग्रेजी या तमिल में सहज नहीं हैं। उन्होंने विकल्प देते हुए पूछा- अंग्रेजी के छात्र... इस पर कुछ आवाजें हां में आईं। उन्होंने फिर तमिल के बारे में पूछा तो हां में शोर और भी तेज हो गया। इस पर अश्विन ने कहा- ठीक है, हिंदी? जवाब में छात्र अचानक चुप हो गए। इसके बाद अश्विन ने तमिल में कहा- मैंने सोचा कि मुझे यह कहना चाहिए। हिंदी हमारी राष्ट्रीय भाषा नहीं है, यह एक आधिकारिक भाषा है। साउथ के प्रदेशा में हिंदी भाषा का इस्तेमाल करना हमेशा से ही संवेदनशील विषय रहा है। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय में नई बहस को जन्म दे सकती है, जब तमिलनाडु की सत्तारूढ़ डीएमके सहित कई विपक्षी दलों ने केंद्र पर राज्यों, विशेष रूप से दक्षिण में हिंदी थोपने का प्रयास करने का आरोप लगाया है। इसी कार्यक्रम में अश्विन ने टीम इंडिया की कप्तानी के विषय पर भी बात की। अनुभवी ऑफ स्पिनर ने कूटनीतिक अंदाज में जवाब दिया। अश्विन ने बताया- जब कोई कहता है कि मैं यह नहीं कर सकता तो मैं इसे पूरा करने के लिए जाग जाता हूं, लेकिन अगर वे कहते हैं कि मैं कर सकता हूं तो मेरी रुचि खत्म हो जाती है।

श्रीराम कथा में राम-भरत मिलाप प्रसंग में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

जनमार्ग न्यूज

श्रीगंगानगर। विनोबा बस्ती स्थित श्रीदुर्गा मंदिर में श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या धाम में रामलला की मूर्ति प्राण प्रतिष्ठा की पहली वर्षगांठ के उपलक्ष्य में आयोजित मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम की जीवन गाथा श्रीराम कथा की अमृत वर्षा के सातवें दिन कथा व्यास पं. मनोज दुबे (अयोध्यावाले) ने अपने प्रवचनों में कहा कि भगवान राम सदैव मर्यादा की पालना करने के कारण मर्यादा पुरुषोत्तम कहलाए। उन्होंने राम-भरत मिलाप सहित अनेक धार्मिक प्रसंग सुनाए। इस मौके पर भक्तों में श्रद्धा का सैलाब देखने को मिला तथा श्रद्धालुओं ने जय श्रीराम के जयकारों से सारा वातावरण गुंजायमान कर दिया। संचेतन झांकियां देखकर भक्तजन भाव-विभोर हो गए। वृंदावन से विशेष रूप से आए भजन गायकों ने भजनों द्वारा भगवान श्रीराम की महिमा का गुणगान किया। आरती के पश्चात् श्रद्धालुओं को प्रसाद का वितरण किया गया। इस अवसर पर विश्व हिंदू परिषद, मातृशक्ति दुर्गा वाहिनी, श्री दुर्गा मंदिर सेवादार मण्डल, बजरंग दल, श्री राधे भजन मण्डल, श्री दुर्गा संकीर्तन महिला मण्डल, सामाजिक एकता मंच आदि सहयोगी संस्थाओं के पदाधिकारियों व सदस्यों सहित बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु उपस्थित थे। समस्त शहरवासियों से 11 जनवरी, 2025 तक प्रतिदिन दोपहर 3.15 से 6.15 बजे तक श्री दुर्गा मन्दिर प्रांगण में आयोजित श्री राम कथा में अधिकाधिक संख्या में शामिल होकर आध्यात्मिक आनंद प्राप्त करने का आह्वान किया गया है।

कृष्ण जन्मभूमि शाही ईदगाह विवाद

केस एक साथ मिलाने के आदेश में दखल से सुप्रीम कोर्ट ने जताई अनिच्छा

नई दिल्ली/मथुरा (जनमार्ग न्यूज)। सुप्रीम कोर्ट ने कृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह विवाद से संबंधित सभी मुकदमों को एक साथ मिलाने के इलाहाबाद हाई कोर्ट के आदेश में हस्तक्षेप करने से अनिच्छा जताई है। चीफ जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस संजय कुमार की बेंच ने शुक्रवार को मौखिक रूप से कहा कि सभी मामलों को एक साथ जोड़ने से दोनों पक्षों को लाभ होगा। हालांकि बेंच ने कोई आदेश पारित नहीं किया और मामले की सुनवाई टाल दी। बेंच ने शाही ईदगाह मस्जिद समिति द्वारा दायर विशेष अनुमति याचिका (स्क्क) पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें इलाहाबाद हाईकोर्ट के जनवरी 2024 के आदेश को चुनौती दी गई थी। इस आदेश में हिंदू पक्षों द्वारा मथुरा की मस्जिद पर दावे से संबंधित दायर 15 मुकदमों को एक साथ मिलाने का निर्देश दिया गया था। मई 2023 में, हाईकोर्ट ने सभी मुकदमों को ट्रायल कोर्ट से अपने पास स्थानांतरित कर लिया था। सुप्रीम कोर्ट में मस्जिद कमेटी के वकील ने तर्क दिया कि इन सभी मुकदमों को एक साथ मिलाने से जटिलताएं पैदा होंगी क्योंकि ये सभी प्रकृति में एक समान नहीं हैं। चीफ जस्टिस ने इस दलील से असहमति जताते हुए कहा कि इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। इस मामले में हम हस्तक्षेप क्यों करें? अगर इसे एक साथ जोड़ा जाता है, तो इससे क्या फर्क पड़ता है? खैर, इस पर विचार करें, हम इसे स्थगित कर रहे हैं, लेकिन मुझे लगता है कि एक साथ केस ट्रांसफर किए जाने से कोई फर्क नहीं पड़ता। सुप्रीम कोर्ट ने आगे की सुनवाई के लिए एक अप्रैल की तारीख तय की है। सुप्रीम कोर्ट मस्जिद समिति द्वारा दायर एक अन्य याचिका पर भी विचार कर रहा है, जिसमें मुकदमों को हाई कोर्ट में स्थानांतरित करने को चुनौती दी गई है। इसके अलावा, उनके द्वारा दायर एक और याचिका, जिसमें पूजा स्थल अधिनियम के तहत वादों को अवैध घोषित करने से इनकार करने के हाईकोर्ट के निर्णय को चुनौती दी गई है, भी सुप्रीम कोर्ट में लंबित है। पिछले वर्ष, सुप्रीम कोर्ट ने मस्जिद की निरीक्षण प्रक्रिया के लिए एक वकील आयुक्त नियुक्त करने के हाईकोर्ट के आदेश पर रोक लगा दी थी।

टीना डाबी और विधायक रवींद्र सिंह भाटी आमने-सामने!

शिव विधायक को आईएएस मैम ने दे दिया तगड़ा झटका

बाड़मेर/जैसलमेर (जनमार्ग न्यूज)। राजस्थान के बाड़मेर में कलेक्टर टीना डाबी और शिव विधानसभा के निर्दलीय विधायक रवींद्र सिंह भाटी से जुड़ी तकरार सामने आई है। दरअसल, भाटी 12 जनवरी को युवा दिवस के मौके पर 'रोहड़ी सांस्कृतिक महोत्सव' का आयोजन करने जा रहे हैं। इस आयोजन को लेकर उपखंड अधिकारी ने अनुमति दे दी, लेकिन बाड़मेर कलेक्टर टीना डाबी ने भाटी को इसमें बड़ा झटका देते हुए आयोजन की इस मंजूरी को वापस ले लिया। इसके बाद अब यह विवाद गहराता जा रहा है। अब सवाल उठ रहा है कि यह आयोजन होगा या नहीं?

12 जनवरी को युवा दिवस के मौके पर विधायक रवींद्र सिंह भाटी रोहड़ी सांस्कृतिक महोत्सव के नाम से बड़ा आयोजन करने जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि इसमें 300 से अधिक लोक कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। इसको लेकर बीते दिनों एसडीएम ने इस आयोजन की अनुमति दे दी, लेकिन अब इस अनुभूति को बाड़मेर की कलेक्टर टीना डाबी ने रद्द कर दिया है। उन्होंने अपने पत्र में बीएसएफ समेत सुरक्षा एजेंसियों की आपत्ति का हवाला देते हुए अनुमति को निरस्त करने का कारण बताया। बताया जा रहा है कि आयोजन जिस स्थल पर हो रहा है, वह गडरा रोड जिले के सात पुलिस थानों के प्रतिबंधित इलाके में आता है, जहां बाहरी व्यक्तियों का बिना सक्षम अनुमति के प्रवेश पर रोक है।

आयोजन से 2 दिन पहले कलेक्टर ने रद्द की अनुमति

भाटी की ओर से 12 जनवरी को रोहिडा महोत्सव का आयोजन की तैयारी जोरों पर है। इसके लिए उनकी टीम लगातार जुटी हुई है, ऐसे में उनकी उम्मीदों को कलेक्टर टीना डाबी के आदेश के बाद बड़ा झटका लगा है। इस आयोजन को लेकर दावा किया जा रहा है कि महोत्सव में करीब 35000 लोगों को निमंत्रण भेजा गया है। कार्यक्रम को लेकर रवींद्र सिंह भाटी की टीम बड़े स्तर पर प्रचार प्रसार करने में जुटी हुई हैं। इधर, आयोजन की अनुमति निरस्त होने के बाद अभी तक भाटी की कोई प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

गौतम गंभीर ने मेरे परिवार को गाली थी, सौरव गांगुली के बारे में...

हेड कोच पर भड़के मनोज तिवारी

नई दिल्ली (जनमार्ग न्यूज)। टीम इंडिया में कभी साथ खेल चुके मनोज तिवारी और गौतम गंभीर के बीच मामला तुल पकड़ता दिख रहा है। पूर्व क्रिकेटर और बंगाल के खेल मंत्री मनोज तिवारी ने टीम इंडिया के हेड कोच गौतम गंभीर को पाखंडी, क्रेडिट चोर और पीआर की दुकान कहा तो दिल्ली के पूर्व खिलाड़ी के कुछ करीबी क्रिकेटरों ने भी मोर्चा संभाला। इस बीच मनोज तिवारी ने एक इंटरव्यू में यह तो बताया ही कि क्यों उन्होंने गौतम गंभीर को पाखंडी कहा, साथ ही बताया कि गंभीर ने उनकी फैमिली को गाली दी थी और टीम इंडिया के सबसे सफल कप्तानों में से एक सौरव गांगुली के बारे में भी गलत बातें कही थीं।

मनोज तिवारी और गौतम गंभीर 2015 में उस समय एक-दूसरे के आमने-सामने आ गए थे, जब वे खिलाड़ी थे। रणजी ट्रॉफी में गौतम गंभीर दिल्ली के लिए खेल रहे थे, जबकि तिवारी बंगाल के लिए। दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम (उस समय फिरोजशाह कोटला स्टेडियम) में भिड़ गए थे। दोनों प्लेयर्स के बीच तू-तू, मैं-मैं भी हुई थी। तिवारी ने 2015 में रणजी ट्रॉफी मैच के दौरान गंभीर के साथ अपने बहुचर्चित विवाद के बारे में भी बात की। उन्होंने आरोप लगाया कि गंभीर ने उनके परिवार को गाली दी और सौरव गांगुली के बारे में भी बुरी बातें कहीं।

बंगाल की राजनीति में बड़ा नाम बन चुके मनोज तिवारी ने कहा- जब दिल्ली में रणजी ट्रॉफी मैच के दौरान गौतम गंभीर ने मुझसे झगड़ा किया तो सभी ने गौतम गंभीर के मुंह से निकली हर बात सुनी। चाहे वह सौरव गांगुली के बारे में बुरा बोल रहा हो या मेरे परिवार को गाली दे रहा हो, उन्हें कुछ लोगों ने बचाया था। मैं इसी पीआर की बात कर रहा हूं।

सीटू की बैठक में मजदूर के विरोध में किया जा रहे कार्यों पर चर्चा

हनुमानगढ़ (जनमार्ग न्यूज)। जिला कमेटी सीटू की बैठक जनशक्ति भवन हनुमानगढ़ टाउन में संपन्न अनेक निर्णय लिए गए, संगठन के विस्तार के लिए नीति बनाई गई, मीटिंग की अध्यक्षता सीटू जिला अध्यक्ष कामरेड आत्मा सिंह ने की। बैठक में सीटू के वरिष्ठ नेता कांमरेड रामेश्वर वर्मा भी मौजूद रहे . बैठक में सीटू जिला महासचिव कामरेड शेर सिंह शाक्य ने राज्य कमेटी की बैठक ओर उसके निर्णयो के बारे में रिपोर्टिंग की ओर एजेंडा रखा।सीटू की राष्ट्रीय कमेटी द्वारा लिए गए निर्णय, कोलकाता में हुई मध्य अवधि समीक्षा जनरल काउंसिल की बैठक में लिए गए निर्णय, और देश और प्रदेश की सरकार द्वारा मजदूर किसान खेत मजदूर के विरोध में किया जा रहे कार्यो, बिजली पानी के निजीकरण, चार लेबर कोड को केंद्र सरकार द्वारा लागू करने के लिए की जा रही तैयारी पर विस्तार से अपने विचार रखे और साथियों को सारी जानकारी उपलब्ध कराई।पिछली मीटिंग से लेकर अब तक किए गए कार्यों ,मीटिंग में लिए गए निर्णयों की समीक्षा, और भावी कार्यभार के बारे में लिखित में साथियों को अवगत कराया। महामंत्री द्वारा पेश की गई लिखित रिपोर्ट पर जिलों से और फेडरेशन से आए साथियों ने अपने विचार रखें और भावी कार्यक्रम जिले में लागू करने के बारे में भी अपने विस्तृत विचार रखें और सभी ने रिपोर्ट का समर्थन करते हुए

आज की मीटिंग में लिए गए निर्णयों को लागू करने की बात कही। कामरेड रामेश्वर वर्मा ने अपने उद्बबोधन में देश के और प्रदेश के वर्तमान हालात पर विस्तृत विचार रखें और सभी साथियों से संगठन को और मजबूत करने संगठन की सदस्यता बढ़ाने, तथा मीटिंग में लिए गए निर्णय को जिले में और अपनी-अपनी यूनियन और संगठनों में लागू करने की बात कही। मीटिंग में लिए गए निर्णय।15 जनवरी 2025 से रेलवे यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और रेलवे कर्मचारियों की सुरक्षा और कामकाज की स्थिति को सुरक्षित करने के लिए 15 फरवरी2025 तक अभियान चलाया जाएगा ओर जिला एवं तहसील स्तर पर सम्मेलन किए जाएंगे। अप्रैल माह में रेलवे यात्रियों की सुरक्षा और निजीकरण के खिलाफ पर्चे वितरित कर रेलवे स्टेशनों पर रेलवे कर्मचारियों की सुरक्षा और आम यात्रियों की सुरक्षा के लिए विरोध प्रदर्शन किए जाएंगे। 19 जनवरी 2025 को सीटू अखिल भारतीय किसान सभा ओर खेत मजदूर यूनियन के संयुक्त राष्ट्रीयआह्वान पर सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ जिले भर में कार्यक्रम किये जायेंगे।9 फरवरी 2025 को कामगार महिला कोआर्डिनेशन कमेटी की मीटिंग जयपुर में होगी जिसमें हनुमानगढ़ से पांच कामगार महिलाऐं भाग लेंगी। 1व 2 मार्च 2025 को जयपुर में सभी यूनियनो और राज्य कमेटी के मध्यावधि समीक्षा की जाएगी। इस समीक्षा मीटिंग में सभी राज्य पदाधिकारी, सभी राज्य कमेटी सदस्यों, और सीटू की हर यूनियन के अध्यक्ष महामंत्री और कोषाध्यक्ष भाग लेगे। सीटू जिला कमेटी ने राजस्थान सरकार द्वारा जिन 9 जिलों को समाप्त करके वापस पुराने जिलों में मिला दिया है और तीन संभागों को भी वापस खत्म कर दिया है इसके विरोध में प्रस्ताव पास किया गया तथा इसके विरोध में चल रहे आंदोलन में सीटू के साथियों को भाग लेने का आह्वान किया है तथा राज्य सरकार से इन जिलों को और संभागों को वापस बहाल करने की मांग का प्रस्ताव पास किया गया है। 8 मार्च 2025 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर पूरे जिले में रेलिया निकालनी है और महिलाओं पर हो रहे अत्याचार का विरोध करना है और समान काम के लिए समान वेतन की मांग करनी है। महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग करनी है और उनके अधिकारों पर हो रहे हमलो को रोकने की मांग तथा शोषित पीड़ित महिलाओं को शीघ्र न्याय देने की मांग करने का निर्णय लिया गया है।

रोहिड़ी म्यूजिक फेस्टिवल का पोस्टर विमोचन हनुमानगढ़ में, डॉक्टर इस्चित जैन ने साझा किए विचार

जनमार्ग न्यूज

हनुमानगढ़। एक विशेष कार्यक्रम के तहत शिव विधायक रविन्द्र सिंह भाटी द्वारा बाड़मेर के रोहिड़ी में आयोजित किए जा रहे रोहिड़ी म्यूजिक फेस्टिवल के पोस्टर का विमोचन गुरुवार को हनुमानगढ़ में किया गया। यह कार्यक्रम डॉ इस्चित जैन के नेतृत्व में संपन्न हुआ, जिसमें हनुमानगढ़ के डॉक्टर्स, स्टूडेंट्स और अन्य नागरिकों ने हिस्सा लिया। डॉ. इस्चित जैन ने इस अवसर पर रोहिड़ी म्यूजिक फेस्टिवल की विशेषताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि यह फेस्टिवल न केवल राजस्थान की लोक कला और सांस्कृतिक धरोहर को संजोने का एक प्रयास है, बल्कि इसे एक वैश्विक मंच पर पहचान दिलाने की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम है। फेस्टिवल की खासियत पर चर्चा करते हुए डॉ.

जैन ने कहा यह आयोजन राजस्थान के लोकप्रिय लोकगायकों को एकत्रित करता है, जो अपनी कला के माध्यम से प्रदेश की विरासत को जीवंत करेंगे। यह कार्यक्रम रोहिड़ी के खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों और अनछुए रेत के टीलों के बीच आयोजित होगा, जो इसे और भी यादगार बनाएगा। रोहिड़ी म्यूजिक फेस्टिवल न केवल संगीत और मनोरंजन का माध्यम है, बल्कि यह क्षेत्रीय प्रतिभाओं को पहचान दिलाने और स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा देने का भी अवसर प्रदान करेगा। चंदर प्रकाश ने बताया कि वे स्वयं इस फेस्टिवल में शामिल होंगे और अन्य हनुमानगढ़वासियों से भी इसमें भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा, यह केवल एक संगीत महोत्सव नहीं, बल्कि राजस्थान की असली धरोहर को पहचान देने का एक सुनहरा मौका है। हर व्यक्ति को इसमें शामिल होकर इसे सफल बनाना चाहिए।÷ डॉक्टर्स, स्टूडेंट्स और नागरिकों ने इस कार्यक्रम के प्रति अपने उत्साह और समर्थन को व्यक्त किया। सभी ने इसे एक सराहनीय पहल बताया और शिव विधायक रविन्द्र सिंह भाटी के इस प्रयास की प्रशंसा की। रोहिड़ी म्यूजिक फेस्टिवल 12 जनवरी को आयोजित किया जाएगा और इसमें स्थानीय लोक कलाकारों के साथ-साथ प्रदेश के कई प्रतिष्ठित नाम हिस्सा लेंगे। यह फेस्टिवल राजस्थान के सांस्कृतिक और पर्यटन मानचित्र पर एक महत्वपूर्ण छाप छोड़ने का वादा करता है।

मेरठ में फैमली के मर्डर पर बड़े सवाल, रुड़की तक पहुंची जांच की सुई, क्या अपनों ने ही खेला खूनी खेल?

मेरठ (जनमार्ग न्यूज)। उत्तर प्रदेश में मेरठ के लिसाड़ी गेट के सुहेल गार्डन में परिवार के पांच परिजनों की नृशंस हत्या की गूंज लखनऊ तक पहुंच गई। पुलिस को मृतक के परिजनों ने तीन नामजद और अज्ञात के खिलाफ तहरीर दी है। पुलिस ने दो नामजद को गिरफ्तार कर अन्य की तलाश में दबिश दे रही है।

करीबियों पर भी है पुलिस की नजर: पुलिस इस हत्याकांड में किसी करीबी का हाथ मान रही है। इसके अलावा लूट करने वाले बदमाश या मजदूरों में भी कातिल छिपे हो सकते हैं। पुलिस ने लिसाड़ी गेट के बदमाशों की भी कुंडली खंगालनी शुरू कर दी है। मोईन सहित कई मोबाइल की सीडीआर निकाली जा रही है। एसएसपी का भी कहना है कि हत्याकांड को करीबी लोगों ने ही अंजाम दिया है, कातिल कौन है और कत्ल की वजह किया है, इसकी जांच की जा रही है।

लाशों को ठिकाने लगाने की थी योजना: घटना स्थल पर मोईन का शव गठरी में बंधा था। पत्नी आसमा और बड़ी बेटी का शव बेड के अंदर था। दोनों छोटी बेटियों के शवों को भी बोरी में बांधकर बेड के अंदर ही रखा था। जिस मकान में सामूहिक हत्याकांड हुआ। उसके सामने वाला मकान भी बंद है और उसके आसपास दोनों ओर खाली प्लॉट हैं। पुलिस सूत्रों की माने तो जिस प्रकार से बोरे आदि में शव मिले उसे साफ जाहिर है कि हत्यारोपियों को सभी शवों को ठिकाने लगाने का मौका नहीं मिला।

परिवार का विवाद पर भी पुलिस का फोकस: मोईन सात भाइयों में तीसरे नंबर का था। मोईन के सलीम, अनीस, कलीम, तसलीम, मोमिन, अमजद भाई हैं। एक मामले में अमजद हरिद्वार जेल में बंद होना बताया गया है। पुलिस के मुताबिक मोईन के साले हापुड़ निवासी शफीक ने बताया कि एक सप्ताह पहले चार लाख रुपये मोईन ने अपने भाई की जमानत के लिए दिए थे। मोईन की आसमा तीसरी पत्नी थी, जबकि असमा ने भी अपने पहले पति दीन मोहम्मद को तलाक देकर मोईन से निकाह किया था। परिवार के विवाद की भी पुलिस जानकारी जुटाने में लगी है।

रुड़की में हुई खूनी रंजिश पर भी जांच: पुलिस अधिकारियों की मानें तो मोईन ने छह लाख रुपये में रुड़की में मकान बेचा था। इसके अलावा तीन लाख रुपये में अपना पिकअप दिया था और एक लाख रुपये नकद थे। 10 लाख रुपये में से चार लाख रुपये मोईन अपने भाई अमजद और उसकी पत्नी नजराना को दिए थे। बाकी रकम से मोईन अपना घर बना रहा था। अमजद फिलहाल वाहन चोरी के मामले में हरिद्वार जेल में बंद बताया गया है। मोईन ने अपनी रकम भी भाई से वापस मांगी थी, जिसे लेकर विवाद हो गया था। आखिरी बार मोईन के घर जाने वाली नजराना ही थी। ऐसे में नजराना से भी पूछताछ की जा रही है। मोईन के घर में घुसकर उनकी लाशें देखने वाले भाई सलीम से भी पुलिस पूछताछ की रही है।

आस्ट्रेलियन ओपन ड्रॉ : सिनेर-जोकोविच को मिला विपरीत ड्रॉ, सबालेंका से होगी स्टीफेंस की भिड़ंत

एजेंसी ▸▸ मेलबर्न

गत चैंपियन यानिक सिनेर और दस बार के आस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन नोवाक जोकोविच को साल के पहले ग्रैंडस्लैम में विपरीत ड्रॉ मिला है जिससे अब पिछले साल की तरह दोनों की टक्कर सेमीफाइनल में नहीं हो सकती। सिनेर ने पिछले साल जोकोविच को सेमीफाइनल में हराया था और दानिल मेदवेदेव को 3-6, 3-6, 6-4, 6-4, 6-3 से हराकर पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीता था।

जारी की आसान चुनौती

शीर्ष रैंकिंग वाले सिनेर को पहले दौर में निकोलस जारी से खेलना है। उनके ड्रॉ में टेलर फ्रिट्ज, बेन शेल्टन और मेदवेदेव भी हैं। फ्रिट्ज का सामना पहले दौर में अमेरिका के जेंसन ब्रूकस्बी से होगा। जोकोविच और तीसरी रैंकिंग वाले कार्लोस अल्काराज की टक्कर क्वार्टर फाइनल में हो सकती है।

आस्ट्रेलियाई ओपन का आगाज 12 से, 15 दिन तक चलेगा टूर्नामेंट

नए कोच के साथ उतरेंगे जोकोविच

जोकोविच पहली बार अपने नए कोच एंडी मर्रे के साथ आयेंगे जिनके खिलाफ वह खेल भी चुके हैं। मेलबर्न पार्क पर सबसे ज्यादा खिताब जीतने वाले जोकोविच ने कहा कि एक साल यहां खेलने की अनुमति नहीं मिल पाने का दर्द अभी भी उन्हें है। कोरोना काल में टीका नहीं लगवाने के कारण जोकोविच को आस्ट्रेलियाई ओपन खेलने की अनुमति नहीं मिली थी।

महिला वर्ग का ड्रॉ

महिला वर्ग में एरिना सबालेंका को 2017 अमेरिकी ओपन चैंपियन स्लोएने स्टीफेंस और 17 वर्ष की मीरा आंद्रीवा के साथ ड्रॉ मिला है। सबालेंका की नजरें लगातार तीसरे आस्ट्रेलियाई ओपन खिताब पर होंगी और आखिरी बार 1997 से 1999 तक मार्टिना हिंगिस ही यह कमाल कर सकी हैं। तीसरी वरीयता प्राप्त कोको गाफ से उनकी सेमीफाइनल में टक्कर हो सकती है। गाफ को पहले दौर में पूर्व चैंपियन सोफिया केनिन से खेलना है और सातवीं वरीयता प्राप्त जेसिका पेगुला भी इसी ड्रॉ में है। दूसरी रैंकिंग वाली इगा स्वियाटेक और 2022 विम्बलडन चैंपियन एलेना रिबाकिना ड्रॉ के दूसरे हाफ में हैं।

पहली दौर में माचाक से भिड़ेंगे नागल

भारत के चोटी के एकल टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल का सामना रविवार से शुरू हो रहे आस्ट्रेलियाई ओपन के पहले दौर में चेक गणराज्य के थॉमस माचाक से होगा। 27 वर्ष के नागल फिलहाल एटीपी रैंकिंग में 96वें स्थान पर हैं। उन्होंने शीर्ष 104 खिलाड़ियों में होने की वजह से सत्र के पहले ग्रैंडस्लैम के मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई है। हरियाणा के इस खिलाड़ी ने पिछले साल आस्ट्रेलियाई ओपन के पहले दौर में 27वीं रैंकिंग वाले कजाखस्तान के अलेक्जेंडर बुब्लिक को हराया था लेकिन अगले दौर में चीन के जुनचेंग शांग से हार गए। नागल डेविस कप खेलने से इनकार के कारण हाल ही में चर्चा में रहे थे।

खबर संक्षेप

चेनाई ने जीता सीनियर मास्टर ट्रैप खिताब

नई दिल्ली। पूर्व राष्ट्रीय चैंपियन डारियस चेनाई ने गुरुवार को यहां राष्ट्रीय निशानेबाजी चैंपियनशिप में शॉटगन स्पर्धाओं में उत्तर प्रदेश के नबी इकबाल को शूटऑफ में हराकर सीनियर मास्टर पुरुष ट्रैप खिताब जीत लिया। तेलंगाना के डारियस और नबी 50 शॉट के फाइनल में 37 हिट लगाकर बराबरी पर थे लेकिन शूटऑफ में चेनाई ने 1-0 से जीत हासिल की। सात बार के राष्ट्रीय चैंपियन और राष्ट्रमंडल खेलों के स्वर्ण पदक विजेता मुराद अली खान ने फाइनल में 23 शॉट के स्कोर से कांस्य पदक जीता।

प्रणय मलेशिया ओपन के दूसरे दौर में हारे

कुआलालंपुर। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी एच एस प्रणय गुरुवार को यहां मलेशिया सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के पुरुष एकल के दूसरे दौर में चीन के लि शि फेंग से हारकर बाहर हो गए। भारतीय खिलाड़ी को सातवें वरीय लि से 8-21, 21-15, 21-23 से हार मिली। इससे पहले त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद को चीन की जिया यि फान और झांग शु जियान से 21-15, 19-21, 19-21 से पराजय झेलनी पड़ी।

आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 19 फरवरी को होगा टूर्नामेंट का आगाज

पाकिस्तान तैयार नहीं कर पाया तीन स्टेडियम, दी नई डेडलाइन

एजेंसी ▸▸ कराची

पाकिस्तान की मेजबानी में होने वाली आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 को लेकर अब ज्यादा समय नहीं बचा है। टूर्नामेंट का आगाज 19 फरवरी को होगा। यह टूर्नामेंट हाइब्रिड मॉडल के तहत हो रहा है। भारतीय टीम अपने सभी मैच दुबई में खेलेगी। बाकी मुकाबले पाकिस्तान के तीन शहर लाहौर, कराची और रावलपिंडी में होने हैं। मगर एक ओर जहां टूर्नामेंट सिर पर आ गया है, वहीं दूसरी ओर खबर सामने आ रही है कि अभी भी पाकिस्तान में तीनों स्टेडियम में काम चल रहा है। यानी तीनों स्टेडियम पूरी तरह तैयार नहीं हैं। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल लगातार इन पर नजरें बनाए हुए हैं। इसी बीच बड़ी खबर यह भी सामने आ रही है कि पाकिस्तान ने स्टेडियम तैयार कर आईसीसी को सौंपने की तारीख बढ़ा दी है। पहले यह तारीख 31 दिसंबर 2024 थी, जिसे पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने बढ़ाकर 26 जनवरी कर दी है। ऐसे में एक तरह जहां टूर्नामेंट सिर पर है, वहीं पाकिस्तान तारीख पर तारीख कर रहा है।

गद्दाफी स्टेडियम का काम अधूरा

लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम की क्षमता 35 हजार दर्शकों की गई है। पूरे स्टेडियम में नई कुर्सियां लगाई गई हैं। 480 एलईडी लाइट्स लगाए गए हैं। अगले हफ्ते तक दो डिजिटल रीप्ले स्क्रीन्स भी लग जाएंगे। पीसीबी के मुताबिक, यह स्टेडियम जनवरी के आखिरी हफ्ते तक तैयार हो जाएगा।

मेजबान बोर्ड की जिम्मेदारी

स्टेडियम तैयार करने की जिम्मेदारी मेजबान बोर्ड की है, जबकि पिच पर भी उनके द्वारा ही काम किया जाना है। यदि कोई जरूरत होती है, तो उस स्थिति में आईसीसी मैनेजर इस पर ध्यान देंगे। जबकि आईसीसी का सपोर्ट पीरियड 12 जनवरी से शुरू होगा। आगे देखा जाएगा कि होता क्या है। जहां तक स्टेडियम निर्माण का सवाल है और यह अपने सही समय पर पूरा नहीं हो पाता है, तो दूसरा विकल्प हमेशा ही मौजूद रहता है। हालांकि इस पूरे मामले पर अभी कोई कमेंट करना सही नहीं होगा।

13 से आगाज

प्रतीक, प्रियंका को खो-खो विश्व कप में भारतीय टीमों की कमान

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारत में 13 जनवरी से शुरू होने वाले खो-खो विश्व कप के उद्घाटन सत्र में प्रतीक वायकर भारतीय पुरुष टीम जबकि प्रियंका इंगले महिला टीम की कप्तानी करेंगी। टूर्नामेंट 13 से 19 जनवरी तक इंदिरा गांधी स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा।

भारतीय पुरुष टीम शुरुआती दिन (13 जनवरी) नेपाल से भिड़ेगी, जबकि महिला टीम 14 जनवरी को दक्षिण कोरिया से भिड़ेगी। इस दौरान मुन्नी जून महिला टीम के लिए मुख्य कोच के रूप में काम करेंगी, जबकि अश्विनी कुमार पुरुष टीम के सलाहकार होंगे। भारतीय खो-खो महासंघ के अध्यक्ष सुधांशु मित्तल ने खो-खो विश्व कप के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मेजर जनरल विक्रम देव डोगरा के साथ गुरुवार को इसकी घोषणा की। मित्तल ने टीमों की जर्सी में एक विशेष बदलाव का जिक्र करते हुए कहा कि पुरुष और महिला दोनों टीमें की जर्सी पर 'भारत' लिखा होगा। खेलों में भारतीय टीम की जर्सी पर आमतौर पर 'इंडिया' लिखा होता है।

सुप्रीम कोर्टने लगाई रोक, यूपी सरकार से मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने संभल में जामा मस्जिद के पास कुएं को हरि मंदिर का कुआं कहने और पूजा की इजाजत देने के नगर पालिका के नोटिफिकेशन पर रोक लगा दी है। हालांकि, साफ किया कि मस्जिद के अलावा दूसरे लोग भी कुएं का उपयोग कर सकते हैं, इस पर रोक नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश सरकार से स्टेटस रिपोर्ट मांगी की है। इस मामले की अगली सुनवाई 21 फरवरी को होगी। मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने निर्देश दिया कि बिना अनुमति के कुएं के संबंध में कोई कदम नहीं उठाया जाए।

शेयर ट्रेडिंग और आईपीओ खरीद में बड़ा प्रॉफिट दिखाकर 38 लाख का साइबर फ्रॉड

● संविदा कर्मी बना शिकार

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। शेयर ट्रेडिंग और आईपीओ खरीद में बड़ा प्रॉफिट दिखाकर 38 लाख के साइबर फ्रॉड का एक बड़ा मामला सामने आया है।हनुमानगढ़ में साइबर थाना में अनीता रिवेरा नामक महिला तथा उसके अज्ञात साथियों के खिलाफ पुलिस ने साइबर फ्रॉड के शिकार हुए एक संविदा कर्मी की रिपोर्ट पर मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार नोहर तहसील क्षेत्र के गांव किंकराली के वार्ड नंबर 4 निवासी मनोज जाट (35)पुत्र राजेंद्र प्रसाद द्वारा दी गई रिपोर्ट के आधार पर प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार मनोज जाट एक सरकारी

विभाग में संविदा कर्मी है। उसे साइबर फ्रॉड अपराधियों ने बहुत ही होशियारी से अपने जाल में फंसाया और बड़ा लाभ दिखाकर लाखों रुपए विभिन्न बैंक खातों में जमा करवाते रहे। मामला दर्ज होते ही पुलिस ने उन बैंक खातों की पड़ताल शुरू कर दी जिसमें रुपए जमा करवाए गए। पुलिस ने बताया कि अभी तक मनोज जाट से ठगी राशि का कुछ पता नहीं चला है। किसी भी बैंक अकाउंट में अभी तक कोई राशि भी होल्ड/ फ्रीज नहीं करवाई जा सकी। मामले का तेजी से अनुसंधान किया जा रहा है ताकि मनोज से ठगी गई राशि को ज्यादा बैंक अकाउंट में साइबर अपराधी रोट्रेट नहीं कर सके। पुलिस को दी गई रिपोर्ट में मनोज ने बताया कि 8 नवंबर को उसके व्हाट्सएप पर मैसेज आया। उसे आईपीओ में इन्वेस्टमेंट करने के लिए कहा लेकिन उसने कोई जवाब नहीं दिया। फिर लगभग 15 दिन बाद 24 नवंबर को उसके मोबाइल नंबर को जिओ जीत ग्रुप नाम के व्हाट्सएप ग्रुप में ऐड कर लिया गया।उसने इस ग्रुप में कोई चैट नहीं की। ग्रुप में चार नंबर बतौर एडमिन के दिखाई दे रहे थे। इस अनजान ग्रुप से मनोज जाट लेफ्ट नहीं हुआ बल्कि इस ग्रुप में चल रही चैट को देखता रहा।

सीमावर्ती खेत में विदेशी पिस्टल मिलने का मामला दर्ज

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। जिले के नई मंडी घडसाना थाना क्षेत्र में सीमावर्ती चक 16-पी के एक खेत में कल दोपहर पीले रंग के पॉलीथिन थैली में पैक किए दो विदेशी पिस्टल मिलने के संबंध में सीमा सुरक्षा बल की ओर से अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज करवाया गया है। पुलिस के अनुसार बीएसएफ की चित्रकूट बॉर्डर पोस्ट पर तैनात कंपनी कमांडर सनल एमएफ (41) द्वारा दी गई रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया है। पुलिस को दी गई रिपोर्ट में बीएसएफ ने बताया है कि चक 16 पी के खेत में कल मिले प्लास्टिक की पैकिंग में दो विदेशी पिस्टल के साथ एक लाइटर और दो छोटी सिग्नल स्टिक भी मिली है। पिस्टल बिना मैगजीन के थे। इन पर मेड इन यूएसए लिखा है। रिपोर्ट में आशंका व्यक्त की गई है कि अंतरराष्ट्रीय बॉर्डर से ड्रोन ड्रॉपिंग या किसी अन्य स्थिति में यह पिस्तौल परिवहन करना अज्ञात व्यक्तियों द्वारा प्रतीत हो रहा है। पुलिस ने बताया कि दर्ज किए मामले की जांच एएसआई भोलूराम को दी गई है। उल्लेखनीय है कि कल गुरुवार को चक 16- पी के एक खेत में जब एक किसान ने संदिग्ध पैकेट पड़े देखा तो नजदीक ही बॉर्डर पोस्ट पर तैनात बीएसएफ के जवानों को सूचना दी। इसके बाद बीएसएफ के अधिकारी व जवान मौके पर पहुंचे। आसपास के इलाके में सर्चिंग करने पर कोई और संदिग्ध वस्तु नहीं मिली। सूत्रों का कहना है कि पाकिस्तानी तस्करों ने ड्रोन के द्वारा यह पिस्तौल भारतीय क्षेत्र में ड्रॉप किए हैं। यह पैकेट जिनके लिए ड्रॉप किता गया, उनके हाथ नहीं लगा। फिलहाल कोई अंदाजा भी नहीं है कि ड्रोन से यह पैकेट कब ड्रॉप किया गया। इससे पहले विगत दिसंबर महीने में श्रीकरनपुर और केसरीसिंहपुर थाना क्षेत्र में भी अंतरराष्ट्रीय सीमा से लगते खेतों में इसी प्रकार दो पैकेट मिले थे। प्रत्येक पैकेट में दो विदेशी पिस्टल थे। केसरीसिंहपुर के मामले में एक स्थानीय युवक को गिरफ्तार भी किया गया।

दिनदहाड़े थैले पर कट लगाकर 1 लाख 30 हजार रुपए पार

जनमार्ग न्यूज।

रायसिंहनगर। रायसिंहनगर में बैंक से रुपए निकलवा कर खरीदारी करने बाजार में आए एक बुजुर्ग व्यक्ति के थैले पर ब्लेड से कट लगाकर 1 लाख 30 हजार रुपए रुपए उड़ा लिए गए। पुलिस ने बुजुर्ग राजाराम नाई (74) निवासी करडवाली थाना मुकलावा द्वारा दी गई रिपोर्ट पर अज्ञात व्यक्तियों पर रुपए चोरी करने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया है।पुलिस के अनुसार राजाराम ने बताया है कि वह 7 जनवरी को गांव से रायसिंहनगर आया था। उसने स्टेट बैंक आफ इंडिया की शाखा में जाकर एक लाख और फिर पंजाब नेशनल बैंक की शाखा में जाकर 30 हजार रूपए अपने अकाउंट से निकलवाए। यह राशि उसने अपने थैले में रख ली। फिर वह बाजार में राजेंद्र गर्ग की किरयाना की दुकान,विष्णु जनरल स्टोर और फिर पवन बड़ोपलिया की कपड़े की दुकान पर खरीदारी करने के लिए गया। पवन बड़ोपलिया की दुकान पर जब उसने अपना थैला संभाला तो उसमें रुपए नहीं थे। थैले में नीचे की तरफ कट लगा हुआ था।

नशीली गोलियों सहित पकड़े गए युवक को 20 वर्ष कठोर कारावास, एक लाख का अर्थदंड

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। श्रीगंगानगर जिले में हिंदूमलकोट थाना क्षेत्र में पाकिस्तान सीमा के निकट कोठा पक्की मार्ग पर लगभग 8 वर्ष पहले भारी मात्रा में अवैध नशीली गोलियों सहित पकड़े गए एक युवक को एनडीपीएस एक्ट मामलों की विशेष अदालत के विद्वान न्यायाधीश अजय कुमार भोजक ने आज 20 वर्ष कठोर कारावास की सजा सुनाई और एक लाख रुपए का अर्थ दंड लगाया। प्रकरण की जानकारी देते हुए विशिष्ट लोक अभियोजक विजेंद्र कुमार घिंटाला ने बताया कि 11 अगस्त 2017 को हिंदूमलकोट थाना के तत्कालीन प्रभारी ने कोठा-पक्की मार्ग पर गश्त लगाते हएक युवक को पैदल जाते पकड़ा। पकड़े गए युवक बलविंदर सिंह उर्फ पारस (30) पुत्र हरबंस सिंह रायसिख निवासी कोठा पक्की के पास प्लास्टिक के एक थैली में 4700 अल्प्राजोलम की गोलियां बरामद हुईं। नशेड़ियों द्वारा इस दवा का नशे के रूप में इस्तेमाल किया जाता है। पकड़े गए युवक बलविंदर सिंह के पास यह गोलियां रखना और परिवहन करने का कोई लाइसेंस अथवा परमिट नहीं था। उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस ने अनुसंधान के पश्चात उसके खिलाफ अदालत में चालान पेश किया। अदालत में इस प्रकरण की सुनवाई 7 वर्ष से भी अधिक समय तक चली। आज विद्वान न्यायाधीश अजय कुमार भोजक ने बलविंदरसिंह को एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/22 का दोषी करार दिया इसके तहत उसे 20 वर्ष कठोर कारावास की सजा सुनाई और एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया। जुर्माना अदा नहीं करने पर उसे 2 वर्ष की अतिरिक्त सजा काटनी होगी।

कार ट्रैक्टर में भिड़ंत, एक घायल

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। सदर थाना अंतर्गत रिद्धि सिद्धि कॉलोनी (प्रथम) के गेट के पास कार ट्रैक्टर में भिड़ंत हो जाने से एक व्यक्ति घायल हो गया। सदर पुलिस के अनुसार जवाहर नगर में सेक्टर नंबर 6 निवासी विशाल द्वारा दी गई रिपोर्ट के आधार पर ट्रैक्टर के चालक विक्की निवासी चक 3-एमएल पर लापरवाही के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस को रिपोर्ट देते हुए विशाल ने बताया कि वह 26 दिसंबर को रीकों से श्रीगंगानगर की तरफ आ रहा था। उसकी कार को जयपाल चला रहा था।रिद्धि सिद्धि कॉलोनी के गेट के पास एक बस सवारी को उतारने के लिए रुक गई। जयपाल ने भी कार को बस के पीछे रोक लिया।

बार एसोसिएशन ने मनाया लोहड़ी पर्व

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। बार एसोसिएशन द्वारा आज लोहड़ी पर्व मनाया गया। एसोसिएशन ऑफिस के पार्क में दोपहर 1.30 बजे बड़ी संख्या में अधिवक्ता लोहड़ी पर मनाने के लिए इकट्ठा हुए। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष जसवंत भादू, वरिष्ठ अधिवक्ता ईशरसिंह, दलबारासिंह बराड़, श्रीराम वर्मा तथा काशीराम रिणवा आदि ने लोहड़ी प्रज्वलित की। उपस्थित अधिवक्ताओं में मूंगफली, रेवड़ी और गजक का प्रसाद वितरित किया गया। अध्यक्ष जसवंत भादू ने सभी अधिवक्ताओं को लोहड़ी पर्व की शुभकामनाएं तथा बधाई दी। अधिवक्ताओं ने आपस में शुभकामनाओं और बधाई का आदान-प्रदान किया। महिला अधिवक्ताओं ने भी आयोजन में उत्साह पूर्वक उपस्थिति दर्ज करवाई। बार एसोसिएशन के उपाध्यक्ष विनोद सींवर, सचिव अशोक सैनी, पूर्व अध्यक्ष विजय रेवाड़, अजय मेहता, जसवीरसिंह मिशन, वरिष्ठ अधिवक्ता भुरामल स्वामी, ओम रावल, पीडी लूथरा,सज्जनसिंह, आनंद व्यास, रणवीरसिंह, विपिन सिद्ध, देवेंद्र रोज, सुभाष मिड्ढा हंसराज तनेजा आदि अधिवक्ता भी उपस्थित रहे।

पौने तीन घंटे देरी से पहुंची दिल्ली सरायरोहिल्ला ट्रेन

● जैतसर में भी करीब 27 मिनट रुकी रही, यात्री हुए परेशान

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। दिल्ली सरायरोहिल्ला से रवाना होकर श्रीगंगानगर के रास्ते बीकानेर जाने वाली दिल्ली सरायरोहिल्ला बीकानेर ट्रेन श्रीगंगानगर में करीब पौने तीन घंटे से देरी पहुंची। यहां से रवाना होने के बाद भी ट्रेन में तकनीकी गड़बड़ी आ गई। जिस कारण इसे जैतसर स्टेशन पर करीब 27 मिनट तक रोकना पड़ा। इसके चलते ट्रेन अपने निर्धारित समय से करीब तीन घंटे की देरी से बीकानेर पहुंची। इससे यात्रियों को खूब परेशानी हुई। दिल्ली सरायरोहिल्ला-बीकानेर ट्रेन सामान्यत: सुबह 7 बजकर 50 मिनट पर श्रीगंगानगर से बीकानेर के लिए रवाना हो जाती है। शुक्रवार को दिल्ली और पंजाब में कोहरा होने से यह ट्रेन सुबह 10.30 बजे श्रीगंगानगर पहुंची। इसे यहां से 11 बजकर 04 मिनट पर बीकानेर के लिए रवाना किया गया। तीन घंटे की देरी से यात्री पहले ही परेशान थे। वहीं जैतसर स्टेशन पर ट्रेन में तकनीकी गड़बड़ी आ गई। इससे यह ट्रेन करीब 27 मिनट तक रुकी रही। यह ट्रेन सामान्यत: दोपहर डेढ बजे बीकानेर पहुंच जाती है लेकिन मंगलवार को यह शाम चार बजकर 23 मिनट पर बीकानेर पहुंची। इससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा। जैतसर स्टेशन पर रेल कर्मचारियों ने बताया कि यह ट्रेन सामान्यत: सुबह 9.30 बजे जैतसर स्टेशन पहुंच जाती है लेकिन शुक्रवार को यह 12.50 बजे यहां पहुंची। यहां तकनीकी गड़बड़ी के चलते इसे यहां से 1.17 बजे रवाना

नहरी पानी चोरी के मामले में परस्पर मुकदमा दर्ज

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। केसरीसिंहपुर थाना इलाके में गंग कैनाल की एफ नहर में लगभग एक महीना पहले रात्रि को कुछ किसानों द्वारा पाइप लगाकर की जा रही पानी की चोरी पकड़ने की घटना में अब परस्पर मुकदमा दर्ज करवाया गया है।पुलिस के मुताबिक चक 36 एफ निवासी बलजिंदर सिंह द्वारा अदालत में दायर किए गए इस्तगासा के आधार पर हरप्रीतसिंह निवासी चक 4-एफ और कई अन्य व्यक्तियों पर उसे 3 दिसंबर की रात को जान से मारने की नीयत से चोट पहुंचाने, ट्रैक्टर को क्षतिग्रस्त करने, वीडियो बनाकर वायरल करने और झूठे मुकदमे में फंसने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने बताया कि 3 दिसंबर की रात को कुछ किसानों ने चक 36 एफ के नजदीक नहर के मोघे पर पाइपें, ट्रैक्टर और वर्मा आदि लगाकर पानी चोरी करते हुए दो-तीन किसानों को पकड़ा था।

दुकान के बाहर से एलईडी चोरी का एक और मामला दर्ज

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। दुकानों के बाहर चबूतरों पर रखा सामान चोरी करने की पिछले दिनों हुई घटनाओं के संबंध में कोतवाली में एक और मामला दर्ज हुआ है। पुलिस के अनुसार सी-ब्लॉक में बैंक ऑफ़ बड़ौदा के सामने स्थित एक फर्म के संचालक अंकुर मिड्ढा निवासी सेतिया कॉलोनी द्वारा दी गई रिपोर्ट पर अज्ञात दो युवकों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। अंकुर ने पुलिस को बताया कि 25 दिसंबर की शाम लगभग 7:15 बजे मोटरसाइकिल पर आए दो युवक उसकी दुकान के बाहर चबूतरे पर रखा 50 इंची एक एलइडी टीवी उठाकर ले गए। यह घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी। पुलिस के मुताबिक पिछले दिनों दुकानों के आगे से सामान चोरी करने के आरोप में पकड़े गए दो युवकों अंकित तुली और शिवा द्वारा उक्त घटना किए जाने की आशंका है।

पुलिस से बचकर भागे बदमाशों की बाइक गिरी

● पुलिस ने पकड़ा तो नशे की 50 हजार गोलियां मिली

जनमार्ग न्यूज।

बीकानेर। लूणकरनसर पुलिस ने नशे की तस्करी करने के मामले में दो युवकों को गिरफ्तार किया है। दोनों युवक बाइक पर जा रहे थे। अचानक पुलिस को देखकर बाइक मोड़कर भागने लगे, लेकिन फिसल गए। पुलिस जांच में दोनों के पास नशे की सामग्री मिली। रात करीब बारह बजे पुलिस ने इस कार्रवाई को अंजाम दिया। दरअसल, लूणकरनसर थाने के सामने पुलिस की नाकाबंदी थी। इसी दौरान अरजनसर की तरफ से एक बाइक आई। नाकेबंदी देखकर वापस मुड़कर भागने लगे। इसी दौरान बाइक फिसल गई। दोनों युवक गिर गए। पुलिस को इनकी हरकत संदिग्ध लगी। दोनों को दबोच लिया। इस दौरान नाबालिग युवक के पास दो बैग थे, जिसमें 25-25 हजार नशे की टेबलेट मिली। इसके लिए वैध कागजात भी नहीं थे। इसके अलावा 2.322 किलो ग्राम डोडा पोस्त बरामद किया गया। इनके साथ ही एक अन्य शख्स को गिरफ्तार किया गया। इसका नाम गुरप्रीत सिंह जट (40) है। वो बठिंडा पंजाब के बुचोकला गांव का रहने वाला है। इनके कब्जे से मोटर साइकिल भी पुलिस ने जब्त कर ली है। कार्रवाई में थानाधिकारी गणेश कुमार विश्नोई, श्यामलाल भाम्भू, विरेन्द्र कालेर, गोपीचंद, विद्याधर, सुनील ढाका,चालक महावीर की विशेष भूमिका रही।

बुजुर्ग से 4 लाख की साइबर ठगी

श्रीगंगानगर (जनमार्ग न्यूज)। साइबर अपराधों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। साइबर ठगी का एक मामला जोधपुर के महामंदिर थाना क्षेत्र से सामने आया है। 76 वर्षीय सेवानिवृत्त बुजुर्ग चैनसिंह राठौड़ के साथ 4 लाख रुपये से अधिक की साइबर ठगी हुई है। ठगों ने खुद को आईपीएस अधिकारी बताकर बुजुर्ग को डिजिटल अरेस्ट होने का डर दिखाया और उनके बैंक खाते से पैसे ट्रांसफर करवा लिए।

कृषि उपज मंडी समिति ऑफिस के बाहर से बाइक चोरी

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। स्थानीय नई धान मंडी में कृषि उपज मंडी समिति के ऑफिस के बाहर से एक मोटरसाइकिल चोरी होने का कोतवाली में मुकदमा दर्ज हुआ है।पुलिस के अनुसार फ्रेंड्स विहार कॉलोनी निवासी सत्यप्रकाश ने रिपोर्ट दी है कि 6 जनवरी को कृषि उपज मंडी समिति ऑफिस के बाहर उसने मोटरसाइकिल खड़ा किया था जो थोड़ी देर बाद नहीं मिला। उधर सूरतगढ़ सिटी थाना में हरिवंश कुमार ने भी अपना मोटरसाइकिल 8 जनवरी को चोरी हो जाने का मुकदमा दर्ज करवाया है।रामसिंहपुर थाना में भी बाइक चोरी का एक मुकदमा दर्ज हुआ है। पुलिस के अनुसार मांगीलाल सुथार ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है कि अजय नायक निवासी चक 56 जीबी और उसके एक साथी ने विगत 4 जनवरी को रामसिंहपुर में बुलंदी कटला के पास से उसका बाइक चोरी कर लिया।

जल जीवन मिशन को लेकर दिये आवश्यक निर्देश

● लम्बित प्रकरणों को समयसीमा में पूर्ण करें राजस्व अधिकारी: जिला कलक्टर

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। राजस्व अधिकारियों की बैठक शुक्रवार को जिला कलक्टर डॉ. मंजू की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में हुई। जिला कलक्टर ने बजट घोषणाओं से संबंधित भूमि आवंटन प्रकरणों की समीक्षा करते हुए कहा कि राज्य सरकार की बजट घोषणाओं का क्रियान्वयन जल्द से जल्द सुनिश्चित किया जाए। नशा मुक्त श्रीगंगानगर अभियान के अंतर्गत हुई गतिविधियों की भी समीक्षा की। बैठक में बजट घोषणाओं के क्रियान्वयन हेतु लम्बित भूमि आवंटन के प्रकरणों के तहत अब तक हुई कार्रवाई की समीक्षा के साथ-साथ सीमा सड़क संगठन (ग्रेफ) संबंधी भूमि अवाप्ति प्रकरणों, सेना रक्षा सम्पदा अधिकारी बीकानेर, सीमा सुरक्षा बल संबंधी, सार्वजनिक निर्माण विभाग, सार्वजनिक प्रयोजनार्थ भूमि आवंटन के लंबित प्रकरणों और राजकीय विभागों को भूमि आंवटन के प्रकरणों की भी समीक्षा की। जिला कलक्टर ने ई-फाईलिंग की समीक्षा करते हुए सीएम प्रकरणों का प्राथमिकता से निस्तारण करने एवं विभागीय लंबित प्रकरणों को संबंधित अधिकारी अपने समयसीमा के अंतर्गत गुणवत्तापूर्ण निस्तारण करने के लिये निर्देशित किया। एसएसआर में हुई अच्छी प्रगति के लिये सभी विभागीय अधिकारियों को बधाई दी। सेना रक्षा सम्पदा अधिकारी बीकानेर संबंधी भूमि आवंटन को लेकर सूरतगढ़ में वैकल्पिक सडक जो कि स्वीकृत हो चुकी है, इसके लिये संबंधित अधिकारी को रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिये कहा। भू-संपरिवर्तन के लंबित प्रकरणों की समीक्षा करते हुए ब्लॉक के अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे समय सीमा के अंतर्गत इनका निस्तारण करें। राजकीय विभागों के भूमि आवंटन के लंबित प्रकरणों की समीक्षा की। सभी विभागों को निर्देशित किया गया कि लम्बित प्रकरणों का निस्तारण नियमानुसार करें। राजस्थान काश्तकारी अधिनियम की धारा 183 बी के एवं अनुसूचित जाति, जनजाति के अवैध हस्ताक्षरण के मामलों का निपटारा अंतर्गत धारा 175 आरटीए के प्रकरणों की ब्लॉकवार चर्चा की व सभी तहसीलदारों को ध्यानपूर्वक कोर्ट में लम्बित प्रकरणों को नियमित रूप से देखना व समयसीमा में निस्तारण करना सुनिश्चित करेंगे।

आधी रात को छत पर आकर पड़ोसी ने पड़ोसी पर चला दी गोली

● पैर में गोली लगने से युवक घायल

● गांव में सरेआम चाकू से किया गया हमला

जनमार्ग न्यूज।

श्रीगंगानगर। हनुमानगढ़ जिले में संगरिया थाना क्षेत्र के गांव नगराना में आधी रात को पड़ोसी ने छत पर आकर पड़ोसी युवक को गोली मार दी। भिरानी थाना क्षेत्र के शिवदानपुरा गांव में सरेआम एक अधेड़ पर चाकू से हमला कर दिया गया। इन दोनों घटनाओं में दो व्यक्ति घायल हो गए, जिनका अस्पताल में इलाज चल रहा है। संगरिया पुलिस के अनुसार अस्पताल में उपचार दिन संदीप जाट (35) निवासी चक 2- एमएमके नगराना ने बयान दिए हैं कि उसकी ढाणी से लगभग एक बीघा दूरी पर हंसराज उर्फ रोहताश की ढाणी है,जिसके साथ उसकी अनबन चल रही है। उनका आपस में आना जाना नहीं है और बोलचाल भी बंद है। वह परसों बुधवार रात खाना खाकर अपने घर में चौबारे पर बने कमरे में सोने के लिए चला। गया रात्रि 11:15 बजे वह लघु शंका से निवृत होने के लिए कमरे से बाहर आया और बाहर की लाइट जलाई तभी उसे पास में ही अपने पुराने मकान की छत पर हंसराज दिखाई दिया। उसने इतनी रात को उसके घर की छत पर आने का कारण पूछा तो हंसराज ने कहा कि आज वह उसे जान से मार डालेगा। यह कहते हुए उसने पिस्तौल निकाल लिया। संदीप के अनुसार वह जान बचाने के लिए भागा तो हंसराज ने फायर कर दिया जो उसके एक पांव की पिंडली पर लगा। उसके शोर मचाने पर हंसराज भाग गया और उसका चचेरा भाई भाग कर आया,जिसने उसे अस्पताल में भर्ती करवाया।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वत्वाधिकारी हरीसिंह मेहरा द्वारा राहुल ऑफसैट प्रिन्टर्स गुलजार भवन, 47 गणेश विहार द्वितीय, जस्सा सिंह मार्ग के पास श्रीगंगानगर 335001 से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक : हरीसिंह मेहरा, 94140-87692, फैक्स : 0154-2970692